RNI No. 62592/95
www.upobserver.in
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर
साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 18 सोमवार 4 से 10 अगस्त, 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : ₹3/=
नये जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने संभाला चार्ज... ...2

हमें बनना है तीसरी महाशक्ति तो अपनाना ही होगा स्वदेशी: प्रधानमंत्री

वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी ने व्यापारियों और देश के नागरिकों से की अपील

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वाराणसी के सेवापुरी स्थित बनौली गांव में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। एक दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे प्रधानमंत्री ने करीब 2200 करोड़ रुपये की 52 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त के तहत 9.70 करोड़ से अधिक किसानों को 20,500 करोड़ रुपये सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित किए। कार्यक्रम में पीएम किसान सम्मान निधि से संबंधित एक लघु चलचित्र का प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें योजना की सफलता और किसानों पर उसके प्रभाव को दशार्या गया। इस दौरान उन्होंने देशभर के व्यापारियों और नागरिकों से आह्वान किया कि अगर हमें देश को दुनिया की तीसरी महाशक्ति बनाना है तो इसके लिए हमें स्वदेशी को अपनाना ही होगा।

स्वदेशी का संकल्प और वोकल फॉर लोकल का किया आह्वान

प्रधानमंत्री ने जनता से स्वदेशी का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि जो देश का भला चाहते हैं, जो देश को तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनाना चाहते हैं, ऐसा कोई राजनेता और राजनीतिक दल है उसे संकोच को छोड़कर देशवासियों में इस भाव को जगाना होगा कि हम स्वदेशी का संकल्प लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमें उन चीजों को खरीदना चाहिए जिन्हें बनाने में किसी न किसी भारतीय का पसीना बहा है, और जो भारत के लोगों के कौशल से बनी हैं। 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को अपनाने और 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि घर में जो भी नया सामान आए, वह स्वदेशी ही हो। व्यापारियों और दुकानदारों से विशेष आग्रह करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हम हमारे यहां से सिर्फ और सिर्फ स्वदेशी माल ही बेचेंगे। ये स्वदेशी माल बेचने का संकल्प देश की सच्ची सेवा होगा। आने वाले त्योहारों के मौसम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दीवाली और शादियों के समय हर पल स्वदेशी ही खरीदें। उन्होंने विदेशों में शादी करके देश का धन लुटाने के बजाय भारत में ही शादी करने की सलाह दी और बताया कि कई नौजवान अब भारत में ही शादी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर बात में स्वदेशी का भाव आने वाले दिनों में हमारा भविष्य तय करने वाला है। सबके प्रयास से ही विकसित भारत का सपना पूरा होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब हम खरीदेंगे तो स्वदेशी ही खरीदेंगे, घर सजाएंगे तो स्वदेशी से ही सजाएंगे।

उन्होंने आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि आज तक पौने चार लाख करोड़ रुपये किसानों के खातों में भेजे जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश के ढाई करोड़ किसानों को 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक मिले हैं, जबकि काशी के किसानों को 900 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपने ऐसा सांसद चुना है कि आपके खाते में 900 करोड़ रुपया आया है। उन्होंने योजना की पारदर्शिता पर जोर देते हुए बताया कि बिना किसी कट, कमीशन या बिचौलियों के पैसा सीधे खातों में पहुंचता है। हमने ये परमानेंट व्यवस्था बना दी है, न लीकेज होगी न गरीब का हक छीना जाएगा।

महिलाओं और कृषि रिसर्च पर जोर

कृषि अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने 'लखपति दीदी' अभियान का उल्लेख किया, जिसका लक्ष्य तीन करोड़ लखपति दीदी बनाना है। अब तक डेढ़ करोड़ से ज्यादा लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि सपा वाले आंकड़ा सुनकर साइकिल लेकर भाग जाएंगे। ड्रोन दीदी अभियान ने लाखों बहनों की आय बढ़ाई है। कृषि से जुड़ी आधुनिक रिसर्च को खेतों तक पहुंचाने के लिए ₹लैब से लैंडर₹ मंत्र के साथ सवा करोड़ से अधिक किसानों से सीधा संवाद किया गया है। हालांकि कृषि राज्य का विषय है, लेकिन केंद्र सरकार ने खुद पहल करके योजनाओं को आगे बढ़ाया है।

जनधन योजना और केवाईसी अभियान की चर्चा

प्रधानमंत्री ने जनधन योजना के 10 साल पूरे होने का जिक्र किया, जिसके तहत 55 करोड़ गरीबों के बैंक खाते खोले गए।

अब 10 साल बाद केवाईसी दोबारा कराना जरूरी है। उन्होंने बैंकों के अभियान की सराहना की, जहां 1 जुलाई से ग्राम पंचायतों में कैंप लगाकर लाखों लोगों का केवाईसी किया जा रहा है। अब तक 1 लाख ग्राम पंचायतों में यह काम पूरा हो चुका है।

भारत को भी अपने आर्थिक हितों को लेकर सजग रहना होगा

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में वैश्विक चुनौतियों, स्वदेशी अपनाने की आवश्यकता और किसानों की खुशहाली पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि मैं आपका ध्यान वैश्विक हालातों पर ले जाना चाहता हूं। दुनिया में अस्थिरता का माहौल है। दुनिया के देश अपने-अपने हितों पर फोकस कर रहे हैं। भारत भी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। इसलिए भारत को भी अपने आर्थिक हितों को लेकर सजग रहना ही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारे किसान, लघु उद्योग और नवजवानों के रोजगार का हित सर्वोपरि है। सरकार इस दिशा में हर प्रयास कर रही है, लेकिन देश के नागरिकों के रूप में हमें भी कुछ दायित्व निभाने होंगे।

भाजपा सरकार जो कहती है, वो करके दिखाती है

प्रधानमंत्री ने सरकार की किसान-केंद्रित नीतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार निरंतर किसानों की खुशहाली के लिए काम कर रही है। पहले की सरकारों में किसानों के नाम पर की गई घोषणाएं पूरी होना मुश्किल था, लेकिन भाजपा सरकार जो कहती है, वो करके दिखाती है। पीएम किसान सम्मान निधि को सरकार के पक्के इरादों का उदाहरण बताते हुए उन्होंने 2019 में योजना शुरू होने के समय विपक्षी पार्टियों (जैसे सपा और कांग्रेस) द्वारा फैलाई गई अफवाहों का जिक्र किया। विरोधी कहते थे कि चुनाव के बाद योजना बंद हो जाएगी या पैसा वापस ले लिया जाएगा, लेकिन 'क्या इतने साल में एक भी किस्त बंद हुई? पीएम किसान निधि बिना ब्रेक के जारी है।'

काशी सांसद प्रतियोगिताएं और दिव्यांगों को सहायता

प्रधानमंत्री ने काशी सांसद प्रतियोगिता से संबंधित वेबसाइट, रजिस्ट्रेशन पोर्टल और क्यूआर कोड का लोकार्पण किया। हाल ही में आयोजित सांसद टूरिस्ट गाइड प्रतियोगिता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि स्पर्धा के माध्यम से स्किल डेवलपमेंट हो रहा है। आने वाले दिनों में काशी सांसद फोटोग्राफी प्रतियोगिता और सांसद रोजगार मेला जैसे आयोजन होंगे। उन्होंने सरकार के अधिकारियों और प्रतियोगियों को बधाई दी। राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत हुडको और आईडीबीआई द्वारा सीएसआर फंड से काशी के दो हजार दिव्यांगों को सहायक उपकरण प्रदान किए गए।

'नई खनन नीति से उद्योगों को राहत'

गडकरी का आश्वासन- बस तीन माह में मिलेंगे सभी अनुमोदन

नई दिल्ली। नितिन गडकरी ने कहा कि केंद्र सरकार नई खनन नीति ला रही है, जिससे उद्योगों को आसानी से सभी मंजूरी मिल सकेगी। प्रस्तावित नीति के तहत तीन महीने में सभी क्लीयरेंस दिए जाएंगे और चौथे महीने से खनन कार्य शुरू होगा। पर्यावरण मंजूरी एक महीने में देने का प्रस्ताव है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार द्वारा तैयार की जा रही नई खनन नीति से उद्योग जगत को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस यानी व्यवसाय करने में आसानी मिलेगी। इस नीति के तहत सभी जरूरी अनुमोदन तीन महीने के भीतर दिए जाएंगे और चौथे महीने से खनन कार्य शुरू हो सकेगा।

गडकरी ने नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि यह प्रस्तावित नीति हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में चर्चा के लिए आई थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे। इसके बाद गडकरी ने कुछ सुझाव दिए, जिस पर पीएम ने कैबिनेट सचिव को गडकरी के साथ बैठकर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया।

पर्यावरण मंजूरी एक महीने में

गडकरी ने कहा कि उन्होंने सुझाव दिया कि पर्यावरण संबंधी मंजूरी अधिकतम एक महीने में मिलनी चाहिए। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकार से संबंधित सभी जरूरी स्वीकृतियां भी निर्धारित समय में दी जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि उनकी योजना के अनुसार तीन महीने के अंदर सभी क्लीयरेंस पूरे कर दिए जाएं और चौथे महीने से खनन उत्पादन शुरू हो जाए।

बिजनेस में रुकावटें होंगी खत्म

गडकरी ने भरोसा जताया कि यह नई नीति सभी तरह की अड़चनों को खत्म करेगी और उद्योगों को बिना रुकावट संचालन की सुविधा मिलेगी। इससे न केवल व्यवसाय में गति आएगी बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे, विशेष रूप से विदर्भ जैसे क्षेत्रों में।

गांधी-नेहरू के विचारों को बताया प्रेरणा

गडकरी ने रोजगार के मुद्दे पर बोलते हुए महात्मा गांधी और पंडित जवाहरलाल नेहरू का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नेहरू जी अधिकतम उत्पादन की बात करते थे जबकि गांधी जी चाहते थे कि अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी हो। उन्होंने कहा कि नई खनन नीति इन्हीं विचारों से प्रेरित होकर क्षेत्रीय विकास और व्यापक जनभागीदारी की दिशा में एक मजबूत कदम होगी।

वर्ष 2017 से पहले पुलिस भर्ती में भाई-भतीजावाद का सीधा असर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर पड़ा: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहायक परिचालकों को वितरित किये नियुक्ति पत्र

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में होने वाली भर्तियों में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद हावी था। उस दौरान पैसों का लेन-देन, बोली और भेदभाव ने नौजवानों के भविष्य को अंधकारमय बना दिया था। इसका सीधा असर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर पड़ा। इससे दंगे, अराजकता, गुंडागर्दी, आतंकी घटनाएं बढ़ गयीं और जनता में असुरक्षा का माहौल बन गया। कभी अयोध्या, काशी और लखनऊ की कचहरी में हमले होते थे तो कभी आतंकी हमले। इस दौरान सीआरपीएफ कैंप रामपुर को भी निशाना बना गया।

वहीं वर्ष 2017 में डबल इंजन की सरकार बनने पर सबसे पहले भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए बड़े कदम उठाए गए। इसके तहत पुलिस भर्ती बोर्ड का सुदृढ़ीकरण किया गया। इसी का परिणाम है कि पूरे देश में उत्तर प्रदेश सर्वाधिक पुलिस की भर्ती और सरकारी नौकरी देने वाले राज्यों में पहले स्थान पर है।

अब तक हमारी सरकार साढ़े आठ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान कर चुकी है, जो पूरे देश में सबसे बड़ा आकड़ा है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित यूपी पुलिस दूरसंचार विभाग में चयनित 1,494 सहायक परिचालकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कही। इस दौरान सीएम ने चयनित कई अभ्यर्थियों को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र वितरित किये।

आठ वर्ष में पुलिस बल में 2,17,500 अभ्यर्थियों की भर्ती, देश में सबसे बड़ा आंकड़ा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में पुलिस भर्ती प्रक्रिया में जो ऐतिहासिक बदलाव आए हैं, वे सिर्फ आंकड़ों की कहानी नहीं हैं, बल्कि एक नई पहचान, सुरक्षा और विश्वास का प्रतीक बन चुके हैं। वर्ष 2017 से अब तक उत्तर प्रदेश पुलिस में 2 लाख 17 हजार 500 से अधिक कार्मिकों की निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती की जा चुकी है, जो देश में सबसे बड़ा आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में बीजेपी सरकार बनी, तो सबसे पहले भर्ती बोर्ड को मजबूत करने का काम किया गया। यह तय किया गया कि यदि किसी ने नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ किया तो जिम्मेदारी तय की जाएगी। आज पूरे देश में उत्तर प्रदेश की भर्ती प्रक्रिया नजीर बन गयी है ।सीएम ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आने के बाद निवेश भी बढ़ा, जिससे करीब 2 करोड़ युवाओं को अपने जिले में ही रोजगार के अवसर मिले। वहीं नहीं आउटसोर्सिंग, टेक्नोलॉजी और नीति-निर्माण के सहयोग से उत्तर प्रदेश देश की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वर्ष 2017-18 में पहली भर्ती हुई तो ट्रेनिंग क्षमता बेहद सीमित थी, लेकिन अब राज्य में 60,244 पुलिस कार्मिकों की ट्रेनिंग की व्यवस्था उत्तर प्रदेश पुलिस के ही ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट्स में की जा रही है। पहले जहां सिर्फ 3,000 कार्मिकों की ट्रेनिंग हो पाती थी, आज वही संख्या 60 हजार के पार पहुंच गई है।

आठ वर्ष में पुलिस बल में 2,17,500 अभ्यर्थियों की भर्ती, देश में सबसे बड़ा आंकड़ा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में पुलिस भर्ती प्रक्रिया में जो ऐतिहासिक बदलाव आए हैं, वे सिर्फ आंकड़ों की कहानी नहीं हैं, बल्कि एक नई पहचान, सुरक्षा और विश्वास का प्रतीक बन चुके हैं। वर्ष 2017 से अब तक उत्तर प्रदेश पुलिस में 2 लाख 17 हजार 500 से अधिक कार्मिकों की निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती की जा चुकी है, जो देश में सबसे बड़ा आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में बीजेपी सरकार बनी, तो सबसे पहले भर्ती बोर्ड को मजबूत करने का काम किया गया। यह तय किया गया कि यदि किसी ने नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ किया तो जिम्मेदारी तय की जाएगी।

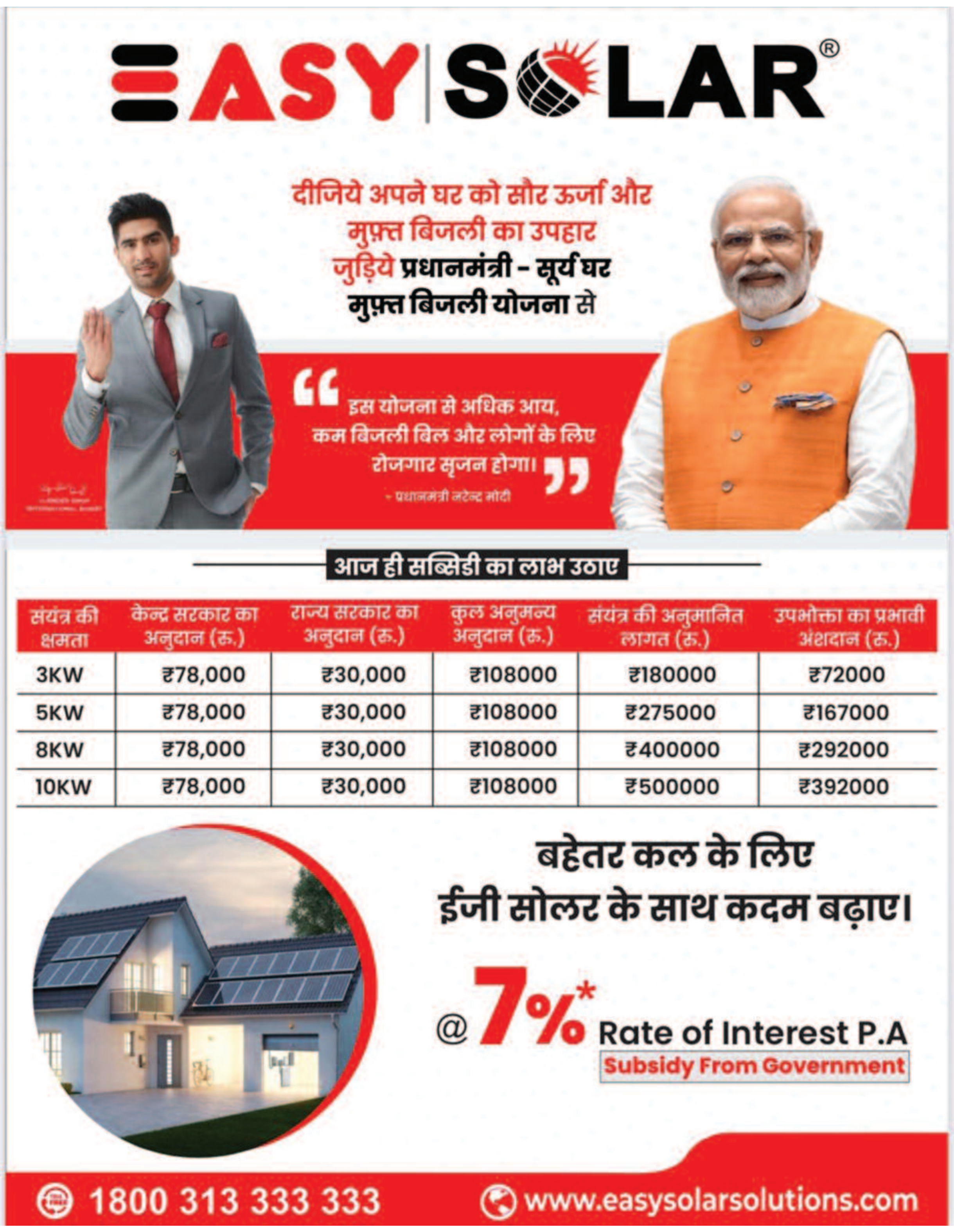

संयंत्र की क्षमता	केन्द्र सरकार का अनुदान (रु.)	राज्य सरकार का अनुदान (रु.)	कुल अनुमन्य अनुदान (रु.)	संयंत्र की अनुमानित लागत (रु.)	उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (रु.)
3KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹180000	₹72000
5KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹275000	₹167000
8KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹400000	₹292000
10KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹500000	₹392000

जनपद में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित

कुल 154 शिकायतें प्राप्त, मौके पर 10 का निस्तारण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शासनादेश के मद्देनजर माह के प्रथम व तृतीय शनिवार हो सम्पूर्ण समाधान दिवस मनाया जाता है जिसके क्रम में जनपद गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया।

- हर शिकायत का समयान्तराल में पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारण किया जाएं : मण्डलायुक्त ऋषिकेश भास्कर यशोद

सदर तहसील: मेरठ मण्डलायुक्त ऋषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। इस दौरान कुल 39 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें मौके पर 06 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। मण्डलायुक्त ऋषिकेश भास्कर यशोद ने कहा कि हर शिकायत का समयान्तराल में पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारण किया जाना सुनिश्चित किया जाएं। इस दौरान जीडीए सचिव राजेश सिंह, एडीएम ई रणविजय सिंह, सीएमओ डॉ.अखिलेश मोहन, डीडीओ प्रज्ञा सिंह, एसडीएम अरूण दीक्षित, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोदीनगर तहसील: एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 45 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम अजीत सिंह, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोनी तहसील: उपजिलाधिकारी राजेन्द्र शुक्ला की अध्यक्षता में लोनी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 70 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान तहसीलदार, पुलिस अधिकारी, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। इस प्रकार जनपद की तीनों तहसीलों में 154 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 10 शिकायतों का निस्तारण हुआ।

नये जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने संभाला चार्ज

मीडिया व प्रबुद्ध लोगों के सुझावों से जनपद की समस्याओं का प्राथमिकता से कराएंगे निराकरण: रविंद्र कुमार मांदड़

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। प्रयागराज से गाजियाबाद स्थानांतरित होकर आये जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने बुधवार शाम गाजियाबाद के नये जिलाधिकारी के रुप में अपना कार्यभार संभाला। इससे पूर्व जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचने पर उन्हें पुलिस गार्द ने सलामी दी। गाजियाबाद डीएम का चार्ज लेने के बाद रविन्द्र कुमार मांदड़ ने प्रेस वार्ता में अपनी अब तक तैनाती के स्थानों, पद, कार्यशैली बारे में बताया। उन्होंने गाजियाबाद के लिए अपनी प्राथमिकताओं को भी मीडिया के साथ साझा किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि वे मीडिया फ्रैंडली हैं। इतनी ही नहीं कि उन्होंने कहा कि यदि किसी की मीडियाकर्मी की कोई समस्या होगी, तो वे एक प्रशासनिक अधिकारी व निजी स्तर पर प्राथमिकता से उसे हल कराने का प्रयास करेंगे। डीएम रविन्द्र कुमार मांदड़ ने कहा कि वे शासन की चल रही विकास योजनाओं को गुणवत्तापूर्वक तय समय सीमा में पूरा कराने व सरकारी योजनाओं का पात्र व्यक्ति तक लाभ संवेदनशीलता के साथ पहुंचाने में विश्वास रखते हैं। इसके साथ ही मीडिया व जनपद के प्रबुद्ध लोगों, औद्योगिक, व्यापारिक, सामाजिक संगठनों से वार्ता कर उनके सुझावों पर विचार करके जनपद की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण कराएंगे।

नये जिलाधिकारी ने कहा कि गाजियाबाद जनपद में जारी परियोजनाओं को त्वरित गति से कार्य करके शासन की प्राथमिकताओं के आधार पर जल्द से जल्द पूरा कराया जाएगा। गाजियाबाद एक औद्योगिक नगरी होने के यहां उद्योगो व व्यापार संबंधी समस्याओ को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास होगा।

जनपद में होने वाले विकास कार्यो को जिला प्रशासन अन्य विभागों जैसे नगर निगम, गाजियाबाद विकास प्राधिरण, यूपीएसआईडीसी आदि से समन्वय बनाकर नये परियोजनाओं के लिए शीघ्रता से एनओसी दिलाने का काम करेगा। एक सवाल के जवाब में डीएम रविन्द्र कुमार मांदड़ ने कहा कि गाजियाबाद में भी सबसे बड़ी समस्या बढ़ते प्रदूषण के कारण असंतुलित हो रहे पर्यारण व भूजल के तेजी से गिरते स्तर की है। इसीलिए उनकी प्राथमिकता सुरक्षित पर्यावरण व जल संरक्षण की होगी। इसके लिए जन जागरुकता पर बल देकर अधिक से अधिक वृक्षारोपण, रेन हार्वेस्टिंग, वाटर बॉडीज के क्षेत्र में काम कराना होगा।

इसके साथ ही उन्होंने गरीबों, खासकर दिव्यांगों के लिए चलायी योजनाओं के लाभार्थियों के प्रति संवेदनशीलता के साथ उनको चिकित्सीय सुविधा व अन्य समस्याओं को हल कराने की बात कही। कलेक्ट्रेट परिसर में पार्किग की समस्या पर पूछे सवाल पर रविन्द्र कुमार मांदड़ ने कहा कि वे इस संबंध में निरीक्षण करेगे और पार्किंग से लिए खाली पायी जाने वाली उपयुक्त जमीन का उपयोग कराएंगे और संबंधित अधिकारी से वार्ता पर उनके दिये गये सुझावो पर काम करके इसका समाधान निकालने की कोशिश करेंगे।

गाजियाबाद के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के सवाल पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ का कहा था कि वे स्वयं भी खिलाड़ी रहे हैं। इसलिए खिलाड़ियों की समस्याओ को समझते हैं।

उन्होंने बताया कि गाजियाबाद में स्पोर्ट स्टेडियम में किये जा रहे विकास कार्यो व यहां बनने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण संबंधी जानकारी लेकर उस परियोजना को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे। इससे पहले जिलाधिकारी ने प्रेस वार्ता में शामिल पत्रकारों से परिचय लिया। जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र पाल सिंह ने भी नये जिलाधिकारी के पूर्व में रही तैनाती स्थलों व उनके द्वारा किये गये उल्लेखनीय कार्यो के बारे में जानकारी दी। प्रेस वार्ता में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, एडीएम सिटी विकास कश्यप, सहित अनेक अधिकारी मौजूद थे।

सड़कों पर अब कब्जा नहीं

गाजियाबाद। जिले में अब कानून का डंडा सड़कों पर दिखाई दे रहा है, जहां फुटपाथ और सार्वजनिक मार्गों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ पुलिस ने मोर्चा खोल दिया है। जिसकी शुरूआत एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी ने कि है, जो रात खुद पैदल गश्त पर निकले और बजरिया क्षेत्र सहित अन्य संवेदनशील इलाकों में कानून-व्यवस्था का जायजा लिया। उनकी तेज, अनुशासित और परिणामोन्मुखी कार्यशैली ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब गाजियाबाद की सड़कों पर अराजकता नहीं, अनुशासन चलेगा। पैदल गश्त के दौरान बजरिया रेलवे स्टेशन के पास सड़क पर भारी अतिक्रमण पाया गया। सड़क किनारे ठेले, खोमचे और अवैध निर्माण के कारण वहां यातायात बाधित हो रहा था और नागरिकों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। एसीपी रितेश त्रिपाठी ने मौके पर ही अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया और टीम के साथ तत्काल कार्रवाई करवाई।

नगर निगम ने रचा वैश्विक कीर्तिमान: ब्लूमबर्ग मंच पर चमकी स्वच्छता और नवाचार की चमक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शहर की सीमाएं अब देश तक सीमित नहीं रहीं अब गाजियाबाद नगर निगम की योजनाएं और नवाचार विश्व स्तर पर झंडे गाड़ रहे हैं। अमेरिका स्थित प्रतिष्ठित मंच ब्लूमबर्ग फिलैन्थ्रॉपीज मेयर्स चैलेंज 2025 में गाजियाबाद नगर निगम की तीन सदस्यीय टीम ने शहर की स्वच्छता और सतत विकास की दिशा में चल रहे नवाचारों का दमदार प्रदर्शन कर दुनिया भर के नीति निमार्ताओं का ध्यान खींचा।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में भेजी गई इस प्रतिनिधिमंडल में नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, और एक्सपर्ट टीम से तारूशी शामिल थीं। इस टीम ने दो प्रमुख योजनाएं गोबर से पेंट निर्माण और गीले कचरे से खाद उत्पादन को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया, जिसे अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया और अफ्रीकी देशों से भरपूर सराहना मिली। नगर आयुक्त ने जानकारी दी कि 630 वैश्विक आवेदनों में से केवल 50 शहरों को चयनित किया गया है, जिनमें भारत से गाजियाबाद एकमात्र शहर है।

इसके तहत नगर निगम को 50 लाख रुपये की पहली फंडिंग दी जा रही है। पायलट परियोजना के सफल क्रियान्वयन पर 10 करोड़ की ग्रांट मिलने का भी मार्ग प्रशस्त होगा। गोबर से पेंट निर्माण की योजना को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लागू किया जाएगा, जिससे महिला सशक्तिकरण को भी प्रोत्साहन मिलेगा। वहीं हाईराइज सोसाइटीज से एकत्र गीले कचरे से बनने वाली खाद को नगर निगम अपने वृक्षारोपण अभियानों में उपयोग कर रहा है, जो कि शहर को हरित और स्वच्छ बनाने की दिशा में मील का पत्थर है। महापौर सुनीता दयाल ने इस अवसर पर वीडियो संदेश के माध्यम से ह्लकचरा मुक्त और हरित गाजियाबादह्व का विजन प्रस्तुत किया, जिसे विश्वभर के प्रतिनिधियों ने सराहा। उन्होंने कहा, यह केवल नगर निगम की उपलब्धि नहीं, बल्कि गाजियाबाद के हर नागरिक की भागीदारी और समर्पण का परिणाम है।

उन्होंने तीनों प्रतिनिधियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देते हुए विश्वास जताया कि यह टीम गाजियाबाद को फाइनल लिस्ट में पहुंचा कर 10 करोड़ की फंडिंग भी जरूर दिलाएगी। इन योजनाओं को न केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से उपयोगी माना जा रहा है, बल्कि यह मॉडल देश-विदेश के अन्य शहरों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी बनता जा रहा है। जहां एक ओर शहर में कचरा प्रबंधन की नई सोच विकसित हो रही है, वहीं दूसरी ओर ग्रीन इनिशिएटिव्स और महिला सशक्तिकरण को भी नई ऊर्जा मिल रही है। गाजियाबाद नगर निगम अब स्वच्छता, हरियाली और सतत विकास के क्षेत्र में भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में एक उदाहरण बनकर उभर रहा है।

'हरित गाजियाबाद' का सपना, मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

यह केवल गाजियाबाद नगर निगम की नहीं, बल्कि पूरे शहर की जीत है। ब्लूमबर्ग जैसे वैश्विक मंच पर हमारे नवाचारों को सराहना मिलना इस बात का प्रमाण है कि जब संकल्प और समर्पण एक साथ जुड़ते हैं, तो गाजियाबाद जैसे शहर भी दुनिया के नक्शे पर चमकने लगते हैं। हमने 'हरित और कचरा मुक्त गाजियाबाद' का जो सपना देखा है, वह अब साकार होता दिख रहा है। मैं नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक सहित पूरी टीम को हार्दिक बधाई देती हूं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गाजियाबाद की प्रतिष्ठा बढ़ाइहमारा अगला लक्ष्य फाइनल सूची में शामिल होकर 10 करोड़ की ग्रांट हासिल करना है, और मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारी टीम यह भी कर दिखाएगी।

सुनीता दयाल, महापौर, नगर निगम गाजियाबाद।

यह गाजियाबाद नगर निगम के लिए गौरव का क्षण है कि हमारी योजनाओं और नवाचारों को विश्व मंच पर स्थान मिला है। ब्लूमबर्ग फिलैन्थ्रॉपीज मेयर्स चैलेंज 2025 जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन में गाजियाबाद का चयन इस बात का प्रमाण है कि हम पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सतत विकास की दिशा में ठोस प्रयास कर रहे हैं। हमारी तीन सदस्यीय टीम ने जिस प्रतिबद्धता से 'गोबर से पेंट' और 'गीले कचरे से खाद' जैसे नवाचार प्रस्तुत किए, उनकी सराहना अमेरिका, जापान, कोरिया और अफ्रीका जैसे देशों ने भी की। हमारा लक्ष्य न केवल 50 लाख की फंडिंग को सार्थक बनाना है, बल्कि पायलट प्रोजेक्ट को सफल बनाकर 10 करोड़ रुपए की अंतरराष्ट्रीय ग्रांट भी गाजियाबाद के लिए सुनिश्चित करना है। यह सफलता न केवल नगर निगम की, बल्कि हर उस नागरिक की है, जो गाजियाबाद को हरित, स्वच्छ और आत्मनिर्भर बनाने के इस अभियान में सहभागी बन रहा है। आने वाले समय में हम इन मॉडलों को और विस्तार देंगे और गाजियाबाद को एक वैश्विक उदाहरण के रूप में स्थापित करेंगे।

विक्रमादित्य सिंह मलिक, नगर आयुक्त

अब शिकायतें नहीं रहेंगी फाइलों में बंद, डीसीपी धवल जायसवाल खुद बनें जनता की आवाज

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट अब केवल कानून व्यवस्था ही नहीं, बल्कि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने में भी एक मिसाल बन रही है। पुलिस आयुक्त के निदेर्शों पर डीसीपी नगर (सिटी) धवल जायसवाल की अगुवाई में प्रतिदिन चलने वाला 'जनता दरबार' न सिर्फ एक औपचारिक कार्यक्रम है, बल्कि समस्या के त्वरित समाधान और संवेदनशील पुलिसिंग का जिंदा उदाहरण बन गया है। हर दिन डीसीपी धवल जायसवाल अपने कार्यालय में स्वयं मौजूद रहकर दो दर्जन से अधिक फरियादियों से सीधी मुलाकात करते हैं। वे न केवल शिकायतें सुनते हैं, बल्कि मौके पर ही संबंधित थाना, चौकी या विभागीय अधिकारी को फोन या निर्देश देकर समस्या का तत्काल और गुणवत्ता के साथ निस्तारण सुनिश्चित कराते हैं। डीसीपी जायसवाल ने स्पष्ट किया कि थाना, चौकी और पुलिस कार्यालय आम जनता के लिए हैं। अगर कोई व्यक्ति न्याय की उम्मीद से हम तक पहुंचता है, तो हमारी पहली जिम्मेदारी है कि हम उसकी बात न सिर्फ गंभीरता से सुनें, बल्कि संतुष्टिपूर्ण समाधान भी करें। उन्होंने यह भी जोड़ा कि शिकायतों का केवल निस्तारण पर्याप्त नहीं, बल्कि वह पारदर्शिता, संवेदनशीलता और ईमानदारी के साथ होना चाहिए। यही पुलिस की विश्वसनीयता का आधार है। हर शिकायत पर समयबद्ध मॉनिटरिंग के निर्देश भी डीसीपी ने दिए हैं।

सीडीओ अभिनव गोपाल ने कोल्ड स्टोरेज स्वामियों से किया गोआश्रय स्थलों को गोद लेने का आह्वान

गोआश्रय स्थलों को मॉडल गौशाला बनाने में करें आर्थिक सहयोग प्रदान-अभिनव गोपाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल द्वारा कोल्ड स्टोरेज स्वामियों से गौ आश्रय स्थलों को गोद लेकर मॉडल गौशाला बनाने में आर्थिक सहयोग करने का आह्वान किया गया। दुर्गावती देवी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जनपद के 15 कोल्ड स्टोरेज स्वामियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित 15 गोआश्रय स्थल में आर्थिक समस्या के कारण शेड की व्यवस्था एवं प्रबंधन, गोवंश उत्पाद निर्माण यथा दुग्ध, गोबर से निर्मित उत्पाद, हरा चारा उत्पादन, गोबर से बिजली उत्पादन का कार्य नही हो पा रहा है। गोआश्रय स्थल स्वावलंबी नहीं है।

इन गोआश्रय स्थलों की कमियों को दूर कर स्वावलंबी बनाया जाना अतिआवश्यक है। पूर्व में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में एक बैठक की गई थी जिसमें विभिन्न गौशाला संचालकों एवं विशेषज्ञों के विचार गोशाला को स्वावलंबी बनाने के लिए गए थे। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार गौशाला को स्वावलंबी बनाने के लिए गोआश्रय स्थलों पर सेड के निर्माण को सुधार करने, चहारदीवारी निर्माण, चारा काटने की मशीन लगवाने, गोबर के सही इस्तेमाल के लिए आवश्यक मशीनरी क्रय करने एवं जनता की आस्था के अनुरूप पूजा स्थल निर्माण कराने के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करने एवं एक–एक गोआश्रय गोद लेकर कमियों को दूर कराने एवं आवश्यक निर्माण कराने की अपील की। सभी कोल्ड स्टोरेज स्वामियों द्वारा पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया गया। कोल्ड स्टोरेज स्वामियों द्वारा आर्थिक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया गया एवं सहयोगी कोल्ड स्टोरेज का नाम गोआश्रय स्थलों पर बोर्ड लगाकर प्रदर्शित किया जाएगा तथा प्रसस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी एवं जिला उद्यान अधिकारी भी मौजूद रहे। अगले सप्ताह गोआश्रय स्थलो भ्रमण कोल्ड स्टोरेज स्वमियों द्वारा किया जाएगा एवं गोद देने की कार्यवाही की जाएगी।

मानसून के चलते हो रही भारी बरसात

नगर आयुक्त निगम अधिकारियों संग निरंतर डूब क्षेत्र का ले रहे हैं जायजा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- सुदामापुरी पहुंचे नगर आयुक्त जल निकासी के लिए टीम को दिए निर्देश
- बढ़ाये गए उपकरण
- भारी बरसात में हो रहे जल भराव पर नगर आयुक्त ने शहर वासियों से की सावधानी बरतने की अपील

गाजियाबाद। नगर निगम लगातार जल निकासी का कार्य प्राथमिकता पर कर रहा है जिसके लिए संबंधित विभागीय अधिकारी भी दिन-रात व्यवस्था संभालने में लगे मानसून के चलते भारी बरसात हो रही है। जिसमें अधिकांश क्षेत्रों में जल भराव की स्थिति बन रही है। जिसको संभालने के लिए जल निकासी का कार्य स्वास्थ्य तथा जलकल विभाग द्वारा किया जा रहा है ।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक भी लगातार स्थलों का निरीक्षण कर रहे हैं तथा टीम को मोटिवेट करते हुए जल निकासी कराई जा रही है। इसी क्रम में नगर आयुक्त द्वारा विशेष रूप से डूब क्षेत्र का जायजा लिया गया । जिसमें सुदामापुरी क्षेत्र का भी निरीक्षण किया गया वार्ड संख्या सात सुदामापुरी पहुंचकर नगर आयुक्त द्वारा टीम को तत्काल कार्यवाही करने तथा उपकरण बढ़ाने के निर्देश दिए गए । मौके पर चार से अधिक पंप सेट लगाए गए तथा जल निकासी जारी है। निरीक्षण के समय जलकल विभाग के अलावा स्वास्थ्य विभाग अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश तथा मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी भी उपस्थित रहे। महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद द्वारा बताया गया कि शहर में भारी बरसात के बाद जल निकासी का कार्य लगातार चल रहा है । जिसमें विशेष रूप से डूब क्षेत्र में भी उपकरण लगे हुए हैं । सुदामापुरी में जल निकासी का कार्य जोर से कराया जा रहा है । नगर आयुक्त के द्वारा भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया । निर्माण विभाग द्वारा कई स्थानों पर पंचर करते हुए जल निकासी में सहयोग किया है।

स्वास्थ्य विभाग जेसीबी के माध्यम से लगातार जल निकासी में सहयोग कर रहे हैं । जलकल विभाग द्वारा एसटीपी में टेंपरेरी व्यवस्था करते हुए जल निकासी का कार्य जारी रखा हुआ है। इसके अलावा अन्य डूब क्षेत्र में भी व्यवस्था को बनाने के लिए निगम विशेष कार्यवाही कर रहा है। निरीक्षण के क्रम में नगर आयुक्त द्वारा क्षेत्र वासियों से भी संपर्क करते हुए क्षेत्र की समस्याओं के समाधान पर चर्चा की सुदामा पुरी क्षेत्र की निवासियों द्वारा भी नगर आयुक्त से वार्ता करते हुए जल्द से जल्द जल निकासी करने तथा समस्या के समाधान के लिए चर्चा की गई।

निर्माण स्वास्थ्य तथा जलकल विभाग संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए शहर में जल निकासी का कार्य प्राथमिकता पर कर रहा है, नगर आयुक्त द्वारा भारी बारिश के चलते शहर वासियों से सावधानी बरतने की अपील की है नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि उपकरणों के माध्यम से लगातार जल निकासी की जा रही है तथा सफाई अभियान का कार्य भी युद्ध स्तर पर किया जा रहा है ।

जल भराव के स्थलों पर विशेष रूप से शहर निवासी सावधानी बरते अपील की जा रही है। ऐसे क्षेत्र जो जल निकासी या सफाई से छूट रहे हैं। उनमें भी समस्या के समाधान हेतु जलकल विभाग से सीधा संपर्क कर जानकारी देने के लिए अपील की गई है। मोहन नगर तथा वसुंधरा इंदिरापुरम क्षेत्र में जल निकासी हेतु 8178018395 पर संपर्क कर सकते हैं। विजयनगर क्षेत्र में जल निकासी के लिए 8178016830, सिटी अंतर्गत जल निकासी हेतु 8178016854, कवि नगर जोन अंतर्गत 8178018396 पर संपर्क कर सकते हैं।

पीएम मोदी ने की 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' की 20वीं किश्त जारी

गाजियाबाद में हुआ आयोजन, हजारों किसानों ने लिया सीधा प्रसारण में भाग

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशभर के किसानों को आर्थिक सहायता देने हेतु प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किश्त आज जारी की गई। इस अवसर पर गाजियाबाद महानगर भाजपा अध्यक्ष मयंक गोयल द्वारा मुरादनगर ब्लॉक कार्यालय, रजापुर ब्लॉक कार्यालय एवं गोविंदपुरम मंडी स्थल पर भव्य आयोजन कर प्रधानमंत्री के ऐतिहासिक संबोधन का सीधा प्रसारण दिखाया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महानगर अध्यक्ष श्री मयंक गोयल ने की। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री श्री नरेंद्र कश्यप, ब्लॉक प्रमुख श्री राजीव त्यागी, भाजपा नेता राहुल चौधरी डैनी, अमरदत्त शर्मा, अरविंद भारतीय, बॉबी त्यागी, कामेश्वर त्यागी, प्रदीप चौधरी, अमित रंजन, वीरेंद्र सारस्वत सहित महानगर के 20 मंडलों के अध्यक्ष, पदाधिकारी, किसान मोर्चा अध्यक्ष पंकज भारद्वाज और बड़ी संख्या में किसान बंधुओं ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह योजना किसानों को न केवल आर्थिक मजबूती देती है, बल्कि उन्हें सम्मान भी प्रदान करती है। इस किश्त के अंतर्गत प्रत्येक पात्र किसान के खाते में 2,000 की राशि सीधे ट्रांसफर की गई, जिससे अब तक की कुल सहायता राशि 40,000 हो चुकी है। पूरे देश के किसानों के खाते में अब तक पौने चार लाख करोड़ रुपये की बड़ी राशि पहुंच चुकी है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में किसानों ने प्रधानमंत्री की इस पहल की सराहना की और गाजियाबाद में विभिन्न आयोजन स्थलों पर उत्सवमय माहौल बना रहा।

महानगर अध्यक्ष श्री मयंक गोयल ने कहा कि 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों के हित में लिया गया यह निर्णय उनकी किसानों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शार्ता है। गाजियाबाद महानगर भाजपा ने इस अवसर को जनभागीदारी के उत्सव में बदला है।' स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि 'किसान सम्मान निधि योजना ने किसानों की आर्थिक स्थिरता को नई दिशा दी है। यह योजना मोदी सरकार की किसान-समर्पित नीति की मिसाल है।'

ब्लॉक प्रमुख राजीव त्यागी ने कहा कि 'गांव-गांव तक इस योजना का लाभ पहुंच रहा है। किसान आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह परिवर्तन प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों का परिणाम है।' भाजपा नेता राहुल चौधरी डैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के जीवन में आशा की किरण है। यह सरकार की संवेदनशीलता और विकास के प्रति गंभीरता को दशार्ती है।' उल्लेखनीय है कि आज ही प्रधानमंत्री मोदी जी की उपस्थिति में वाराणसी के सेवापुरी (कालिकाधाम) से 2,200 करोड़ से अधिक की 53 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया गया।

गाजियाबाद महानगर भाजपा ने इस ऐतिहासिक दिन को संकल्प दिवस के रूप में मनाया और प्रधानमंत्री की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का निश्चय दोहराया।

एमएलसी दिनेश गोयल के आवास पर पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह

राज्यमंत्री सोमेंद्र तोमर, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल भी रहे मौजूद

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। एमएलसी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता दिनेश गोयल के कविनगर स्थित आवास पर उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह , राज्य मंत्री सोमेन्द्र तोमर , प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी , क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशोदिया, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल , पूर्व विधायक उमेश मलिक पहुंचे। आवास पर पहुंचने के दौरान एमएलसी दिनेश गोयल एवं उनके पुत्र अक्षत गोयल ने प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह समेत अन्य अतिथियों का शॉल उढ़ाकर स्वागत एवं सम्मान किया। इस मौके पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह समेत अन्य नेताओं के बीच कई मुद्दों को लेकर विचार विर्मश हुआ। साथ ही भाजपा प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने एमएलसी दिनेश गोयल का आभार भी व्यक्त किया।

सांसद अतुल गर्ग से मिले व्यापारी नेता

जीएसटी संशोधन की उठाई गई आवाज

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद टेंट एंड बैंकट एसोसिएशन के अध्यक्ष व प्रांतीय अध्यक्ष अशोक चावला के नेतृत्व में सांसद अतुल गर्ग से उनके निवास स्थान पर एक प्रतिनिधिमंडल मिला। अशोक चावला ने टेंट, वेंकट, लाइट्स, जेनरेटर पर जीएसटी की दर 18% है। उसको 12% कराने का अनुरोध किया। इसके साथ ही अयोध्या व वाराणसी आने जाने वाली वंदे भारत एवं शिवगंगा ट्रेनों को गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर रुकवाने का अनुरोध भी किया। जिससे गाजियाबाद नोएडा व आस-पास के जनपद के नागरिकों को आने जाने में आसानी होगी और धार्मिक लाभ भी प्राप्त होगा। प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष अशोक चावला, महामंत्री मुकेश त्यागी, कोषाध्यक्ष विवेक मोहन, सह-कोषाध्यक्ष अनिल मित्तल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष क्रमशः के.एल.बहल, अशोक आजमानी, अशोक बाठला, उपाध्यक्ष सरदार सुखविंदर सिंह, उपाध्यक्ष अतुल सिंघल आदि शामिल रहे।

केन्द्रीय कानून मंत्री ने संजीव गुप्ता को व्यापारी भामाशाह पुरस्कार से किया सम्मानित

रेफ्रिजरेटर की शुरूआत के लिए भारतीय उधोग व्यापार मण्डल के स्थापना दिवस पर दिल्ली में किया सम्मानित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। रविवार को दिल्ली के आकाशवाणी भवन के सभागार में भारतीय उधोग व्यापार मण्डल की स्थापना के 44 वर्ष पूर्ण होने पर स्थापना दिवस के अवसर पर संगठन की ओर से आयोजित व्यापारी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी के द्वारा समरकूल ग्रुप के चेयरमैन और उत्तर प्रदेश उधोग व्यापार मण्डल (उधोग मंच) के प्रदेश अध्यक्ष संजीव कुमार गुप्ता को व्यापारी भामाशाह पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। तथा देश भर के 28 प्रांतों से आये संगठन के प्रतिनिधियों ने व्यापारियों की समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा की।

जिनके निवारण के लिए केन्द्र सरकार की ओर से व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी ने व्यापारियों को आस्वस्त किया। इसके पश्चात देश के विकास और जीडीपी में भामाशाह के रूप में अपना अहम योगदान करने वाले स्थापित व्यापारियों को व्यापारी भामाशाह पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सम्मान प्राप्ति पर संजीव कुमार गुप्ता ने भारतीय उधोग व्यापार मण्डल का धन्यवाद देते हुए अपने प्रदेश अध्यक्ष मुकुन्द मिश्रा का भी आभार प्रकट किया। इस कार्यक्रम में संगठन के हजारों पदाधिकारियों ने भाग लिया।

गाजियाबाद क्राउड फाउंडेशन ने देशभर के 108 मंदिरों के जीर्णोद्धार का लिया संकल्प

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। क्राउड फाउंडेशन द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन डोसा पैलेस आरडीसी राजनगर में किया गया। प्रेस वार्ता की शुरूआत में क्राउड फाउंडेशन के प्रवक्ता राहुल चतुर्वेदी ने बताया क्राउड फाउंडेशन 2022 से समाज में सेवा के विभिन्न क्षेत्र में कार्य कर रही है। क्राउड फाउंडेशन की नींव अरविंद सिंह द्वारा रखी गई और वही इस फाउंडेशन के ट्रस्टी भी हैं।

इसके बाद क्राउड फाउंडेशन के ट्रस्टी अरविन्द सिंह ने पत्रकार बंधुओ को बताया कि क्राउड फाउंडेशन को भारत के अलग अलग स्थानों से तकरीबन 5500 मंदिरों के वीडियो प्राप्त हुए और ये सभी मंदिर बहुत जर्जर हालत में हैं और सबसे आश्चर्य की बात ये है कि इनमें से बहुत से मंदिर कई सौ वर्ष पुराने हैं और देख रेख के अभाव में इनका ये हाल हो रहा है। हमारी फाउंडेशन द्वारा 108 मंदिरों के जीर्णोद्धार का संकल्प लिया गया है अभी हाल ही में क्राउड फाउंडेशन द्वारा दो मंदिरों का निर्माण किया गया जिसमें कि 42 वर्ष पुराने श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर जो कि सुख सागर फार्म हाउस पांडव नगर गाजियावाद का जीर्णोद्धार करने के बाद 21 जुलाई को प्राण प्रतिष्ठा करा कर भक्तों के लिए समर्पित किया गया एवं दूसरा मंदिर जो कि छिजार्शी में है और जो तकरीबन तीस वर्ष पुराना है, के जीर्णोद्धार का कार्य लगातार किया जा रहा है और जल्द ही इसका कार्य पूरा कर दिया जाएगा।

इसके साथ साथ मंदिरों द्वारा गरीब लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था उनके लिए चिकित्सा की फ्री व्यवस्था, कम से कम पैसे में धार्मिक यात्राएं जैसे विषयों पर भी क्राउड फाउंडेशन काम करेगी और यदि हमारा यह ईश्वर की कार्य हर प्रकार से सफल रहा तो हमारी फाउंडेशन और अधिक मंदिरों के जीर्णोद्धार के विषय पर काम करेगी। यदि यह मंदिर व्यवस्थित रूप से संचालित होंगे तो कई लोगों को रोजगार भी मिलेगा। हम लगातार अपनी सेवाओं का विस्तार करेंगे स बेहतर निशुल्क चिकित्सा, गरीब बच्चों को निशुल्क शिक्षा, गरीब कमजोरों को दो टाइम का निशुल्क भोजन हमारी संस्था के लक्ष्य बनेंगे। इस प्रेस वार्ता में क्राउड फाउंडेशन की ओर से सागर सिंघल, ऋचा चौहान, नीरज कुमार, दीपेश यादव उपस्थिति थे।

भिक्कनपुर-मकरेडा गांव में डम्पिग ग्राउंड पर कूड़ा डम्प कराया बन्द

क्षेत्रीय ग्रामीण जनता एवं किसानों ने अधिकारियों को सौंपे गए धन्यवाद पत्र

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गांव शाहपुर में हुई ग्रामीण पंचायत में प्रशासन की मध्यस्थता में नगर निगम गाजियाबाद के साथ हुई त्रिपक्षीय समझौता वार्ता में हुए समझौते के मुताबिक तय तिथि 10 जुलाई तक पाईप लाईन रोड (मुरादनगर) क्षेत्र के गांव भिक्कनपुर-मकरेडा गांव में डम्पिग ग्राउंड पर कूड़ा डम्प पांच जुलाई को ही बंद कराने पर क्षेत्रीय ग्रामीण जनता एवं किसानों ने अधिकारियों को धन्यवाद पत्र सौंपे।

विकास संघर्ष समिति के सचिव सलेक भईया ने बताया कि समिति अध्यक्ष चौधरी आजाद प्रमुख के नेतृत्व में ग्यारह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को पूरे दिन जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से मिलकर इस कार्य में अपने स्तर से सहयोग करने के लिए धन्यवाद पत्र सौंपे गए। उन्होंने बताया कि विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल को उनके कार्यालय में, जिला अधिकारी की अनुपस्थिति में अपर जिलाधिकारी (भू-अर्जन) सहित उप जिलाधिकारी (सदर)अरुण दीक्षित को, सांसद अतुल गर्ग के गाजियाबाद आवास पर उन की अनुपस्थिति में सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र मित्तल मैन्दी वाले को, मुरादनगर क्षेत्र विधायक अजीत पाल त्यागी उनके कार्यालय पहुंचकर धन्यवाद पत्र दिया। इनके साथ ही मुरादनगर थानाध्यक्ष अंकित कुमार को भी धन्यवाद पत्र प्रस्तुत किया गया। समिति के प्रतिनिधिमंडल में कोषाध्यक्ष प्रवीन त्यागी, कानूनी सलाहकार एड.बीसी बंसल, समिति के जन-प्रतिनिधि ब्रिगेड के अध्यक्ष आकाश प्रधान, मिन्टू प्रधान, प्रवीन मुखिया, बूटन त्यागी, सूरजमुनि त्यागी, आर्य राजेन्द्र त्यागी, बृजपाल सिंह निमेश, छत्रपाल बिधूड़ी, नितिन नेता शामिल रहे।

रवीन्द्रनाथ टैगौर युनिवर्सिटी में भव्य प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

भोपाल/गाजियाबाद। छंद ही काव्य का वास्तविक स्वरूप है, आज के मंचों से जिस तरह से मूल छंदों का लोप हो रहा है ऐसे में ये छंद प्रशिक्षण कोर्स छंदों के आंदोलन को तेज करेगा। रविन्द्रनाथ टैगौर युनिवर्सिटी के द्वारा संचालित इस छंद प्रशिक्षण कोर्स को आज की महती ररूरत समझा जाना चाहिए। यह विचार प्रसिद्ध कवि धर्मेन्द्र सौलंकी ने भोपाल स्थित रवीन्द्र नाथ टैगोर युनिवर्सिटी के कथा ऑडिटोरियम में व्यक्त किए। हिन्दी छंद लेखन प्रशिक्षण कोर्स के दो कोर्स में उत्तीर्ण छात्रों के प्रमाण पत्र वितरण समारोह में बोलते हुए धर्मेन्द्र सौलंकी जी ने कहा कि राष्ट्रीय कवि मैथिलि शरण गुप्त ने कहा था कि केवल मनोरंजन न कवि का कर्म होना चाहिए। उसमें उचित उपदेश का भी मर्म होना चाहिए। अतः यह छंद प्रशिक्षण भविष्य के कवियों को इस मूल भूत शिक्षा को देने का सुंदर मंच तैयार करके देगा।

युनिवर्सिटी की उप कुल सचिव डॉ पूजा चतुवेर्दी जी ने बताया कि भोपाल स्थित रवीन्द्रनाथ टैगौर युनिवर्सिटी द्वारा एक ऑनलाइन कोर्स संचालित किया जा रहा है। यह कोर्स पहला ऐसा कोर्स है जो कवियों को हिन्दी के छंदों की प्राथमिक जानकारी सिखाता है। इस कोर्स का संचालन युनिवर्सिटी के मानवीकि एवं उदार कला संकाय के तहत संचालित होता है। डॉ चतुवेर्दी ने कहा कि युनिवर्सिटी कौशल के अन्य अनेक प्रोग्राम संचालित कर रही है। युनिवर्सिटी का उद्देश्य है कि शिक्षा के साथ साथ छात्रों का स्किल डवलपमेंट हो और वो स्वावलंबन की दिशा में मजबूत हो सके। इसी उद्देश्य से युनिवर्सिटी द्वारा विभिनन कौशल कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। मानविकी एवं उदार कला संकाय की डीन डॉ चतुवेर्दी ने कोर्स के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि यह कोर्स ऑनलाइन संचालित होता है और तीन माह का यह कोर्स है जिसमें अब तक दो बैचों में देश भर के नवोदित कवि जुड कर इस कोर्स को पूरा कर चुके हैं और परीक्षा के बाद सफल हो कर आज प्रमाण पत्र प्राप्त कर रहे हैं। इस कोर्स के प्रमुख शिक्षक कवि योगेश के समदर्शी ने बताया कि गत वर्ष अक्टूबर माह से इस कोर्स का प्रारंभ किया गया था। जिसके दो बैच अप्रैल माह तक सम्पन्न हुए उन्हीं सफल छात्रों को भोपाल में एक भव्य कार्यक्रम के तहत प्रमाण पत्र वितरित किए गए और सभी प्रतिभागियों ने अपने छंद प्रस्तुत किए। इस अवसर पर प्रसिद्ध कवि धर्मेन्द्र सौलंकी जी कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। जबकि डॉ पूजा चतुवेर्दी उप कुल सचिव मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुईं। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ रुचि मिश्रा तिवारी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में दो छात्रों की कविता संकलन पुस्तकों का विमोचन भी हुआ जिनमें नवीन कानून गो की पुस्तक – काव्य समर्पण एवं पूनम शुक्ला की पुस्तक झ्र भाव कानन शामिल रहीं। इस अवसर पर दो दर्जन से अधिक छात्रों की उपस्थिति रही। युनिवर्सिटी के हिन्दी विभाग के वरिष्ठ सहयोगी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित हो कर प्रमाण पत्र हांसिल करने वाले एवं अपने छंद प्रस्तुत करने वालों में खुशबू जैन, रोहतक (हरियाणा), अंकित, रोहतक (हरियाणा) मोनिका कटारिया, पंचकूला (हरियाणा), लकी अहिरवार, दिल्ली, लोमेश कुमार गौड़, हरदा, कपिल दुबे, हरदा , मुकेश शांडिल्य, हरदा, नवीन कानूनगो, गोविंदगढ़, जयपुर (राजस्थान) ज्योति बाला पाल, बरेली, अनिल शर्मा 'चिंतक', चंडीगढ़, प्रीतम सिंह तंवर, प्रियंका श्रीवास्तव, पटना (बिहार), संगीता गोविल (दिल्ली), सुस्मिता दशोरा, अहमदाबाद (गुजरात), पूनम शुक्ला,बरेली (उत्तर प्रदेश), रचना चेतन मनहर, डॉ मीनू पांडे, भोपाल, मनीष सुमन, बेगूसराय (बिहार), डॉ. ज्योति सिंह इंदौर से शामिल रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध कवि धर्मेन्द्र सौलंकी जी ने की, मुख्य अतिथि के रूप में डॉ पूजा चतुवेर्दी जी उपस्थित रहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ रुचि चतुवेर्दी एवं कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन गाजियाबाद से कवि योगेश समदर्शी ने किया जबकि कार्यक्रम का संचालन अनिल चिंतक ने किया।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

टैरिफ विवादः पीएम का स्वदेशी पर जोर

अमेरिका से टैरिफ विवाद और विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत के खिलाफ विचित्र रवैये के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में स्वदेशी की जो पक्षधरता की, वह सही तो है, लेकिन यह ध्यान रहे कि वे स्वदेशी उत्पाद खरीदने की अपील पहले भी कर चुके हैं और किन्हीं कारणों से स्वदेशी का मंत्र उतना अधिक प्रभावी नहीं दिखा, जितना अपेक्षित था। प्रधानमंत्री ने कोविड महामारी के समय आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी उत्पादों की खरीद पर जोर दिया था, लेकिन बात बनी नहीं। स्वदेशी के मंत्र को महत्व दिया जाना चाहिए, लेकिन समस्या यह है कि लोगों के समक्ष पर्याप्त संख्या में सही गुणवत्ता के स्वदेशी उत्पाद उपलब्ध नहीं हैं। स्वदेशी अपनाने का यह अर्थ नहीं हो सकता और न होना चाहिए कि लोग कम गुणवत्ता के भी उत्पाद खरीदने के लिए तैयार रहें। आज के इस युग में ऐसी अपेक्षा उचित नहीं। यदि लोग स्वदेशी की भावना से प्रेरित होकर देश में बने उत्पाद खरीदना भी चाहें तो अनेक ऐसे उत्पाद पर्याप्त मात्रा में बनते ही नहीं, जिनकी मांग बढ़ती चली जा रही है। इसका परिणाम यह है कि भारतीय बाजारों में चीनी वस्तुएं बढ़ती चली जा रही हैं। अब तो अनेक चीनी वस्तुओं की गुणवत्ता भी संतोषजनक होने लगी है और वे स्वदेशी भारतीय उत्पादों से कम मूल्य की भी होती हैं। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि एक बड़ी संख्या में भारतीय व्यापारी चीनी वस्तुओं का आयात करना अधिक पसंद करते हैं। चीन अभी भी दुनिया का कारखाना बना हुआ है। जैसे दुनिया के अन्य देश चीनी उत्पादों पर अपनी निर्भरता कम नहीं कर पा रहे हैं, वैसे ही भारत भी इस मामले में सक्षम नहीं। ऐसा क्यों हैं, इस पर हमारे नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करना होगा। यह ठीक है कि प्रधानमंत्री और उनके सहयोगी कई बार स्वदेशी उत्पाद खरीदने की जरूरत जता चुके हैं, लेकिन क्या हमारे नौकरशाह इसके लिए तत्पर हैं कि भारतीय कारोबारी इस आवश्यकता की पूर्ति करने में सहायक बन सकें। यह ठीक नहीं कि प्रधानमंत्री जिस बात पर बार-बार बल दें और लोगों को याद दिलाएं कि त्योहारों और शादी के अवसर पर स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी करें, उस पर नौकरशाह अपने स्तर पर कुछ करते नजर न आएं। यह एक सच्चाई है कि कारोबारी सुगमता के तमाम दावों के बावजूद हमारी नौकरशाही लालफीताशाही से बाहर नहीं आ पा रही है। छोटे-बड़े व्यापारी इसकी शिकायत भी करते रहते हैं। यह सही है कि कारोबारियों को भी अपनी कमर कसनी होगी, लेकिन सरकार को तो यह सोचना ही होगा कि आखिर वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देश उत्पादकता एवं गुणवत्ता के मामले में भारत से आगे निकलते क्यों दिख रहे हैं? अमेरिका से टैरिफ विवाद और विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत के खिलाफ विचित्र रवैये के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में स्वदेशी की जो पक्षधरता की, वह सही तो है, लेकिन यह ध्यान रहे कि वे स्वदेशी उत्पाद खरीदने की अपील पहले भी कर चुके हैं और किन्हीं कारणों से स्वदेशी का मंत्र उतना अधिक प्रभावी नहीं दिखा, जितना अपेक्षित था।

अंतरिक्ष से मिसाइल युद्ध की प्लानिंग करते शक्तिशाली देश?

भविष्य में लड़ाई लड़ने के तरीके बदलने वाले हैं। पावरफुल मुल्क बंदूक, तोप, तलवारों या अन्य हथियारों से नहीं, बल्कि मिसाइलो से अतंरिक्ष में बनें 'स्पेस स्टेशनों' से योजना बना रहे हैं। सुखद खबर यहां ये है कि भारत भी इस योजना से पीछे नहीं हैं। अन्य देशों की 'मिसाइल अटैक' वाली मंशाओं की संभावनाओं के बीच भारत ने भी अतंरिक्ष में अपना पैर जमा दिया है। ज्यादा नहीं सिर्फ दशक भर बाद किसी पराए नहीं, स्वयं के स्वनिर्मित अतंराष्टीय स्पेस सेंटर में उतरा करेंगे हमारे भारतीय अंतरिक्ष यात्री। इसके लिए भारतीय वैज्ञानिकों की कोशिशें अंतिम चरण में हैं। कुल मिलाकर अगर ये मिशन 10 सालों में मुकम्मल होता है, तो स्पेस में भी हम सफलता के झंडे गाड़ देंगे। आत्मनिर्भरता की विधा में जमीन से कोसों मील दूर अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो द्वारा वर्ष-2035 तक अंतरिक्ष में खुद का इंटरनेशनल स्पेस सेंटर बनाने का ऐलान किया जा चुका है। बीते दिनों बेशक शुभांशु शुक्ला नासा अधिकृत मिशन के जरिए स्पेस सेंटर में उतरे हों, पर भविष्य में जब कोई भारतीय अंतरिक्ष में यात्रा करेगा, तो वह अपने स्पेस सेंटर में ही लैंड करेगा। ऐसी सफलता निश्चित रूप से बदलते हिंदुस्तान की अकल्पनीय, करिश्माई, व अनोखी कही जाएगी। पावरफुल देश अंतरिक्ष क्षेत्र को क्यों तवज्जो देने में लगे हैं? क्यों वहां नित नई तकनीकी शक्तियों के विस्तार में जुटे हैं? क्या भविष्य में स्पेस स्टेशन के जरिए मिसाइल अटैक करने की कोई योजनाएं तो नहीं बनाई जा रही हैं? ऐसे तमाम सवाल लोगों के मन में कौंधने लगे। सवाल उठने वाजिब इसलिए भी हैं, क्योंकि मौजूदा वक्त में ज्यादातर देश अपनी लड़ाइयां जमीन को छोड़कर हवाई मिसाइलों से लड़ने लगे हैं। ईरान, इजरायल, गाजा, फिलिस्तीन, यूक्रेन-रूस और अभी हाल में भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव में हुए सीजफायर इसके उदाहरण हैं। शायद वो वक्त दूर नहीं, जब आगामी लड़ाईयों की आहटें हमें सीधे अंतरिक्ष से सुनाई दिया करेंगी। अभी तक दो देशों के बीच जंगें जमीन, हवा और पानी में ही दिखती थी। पर, भविष्य की जंगें अंतरिक्ष से लड़ी जाने की संभावनाओं को नहीं नकारा जा सकता? ये बातें बेशक चौंकाने वाली हों, पर ऐसा मुमकिन होता दिखाई पड़ने लगा है?

अंतरिक्ष स्टेशनों से युद्ध स्तर पर विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक शोधों में कुछ मुल्क बीते कुछ दशकों से लगे हुए हैं। अभी तक अंतरिक्ष में मात्र दो ही स्पेस स्टेशन हैं। पहला, इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जिसे अमेरिका-रूस व अन्य देशों ने अपने साझा प्रयास से मिलकर तैयार किया है। वहीं, दूसरा स्पेस स्टेशन चीन का निजी है। हालांकि अब रूस, अमेरिका, भारत व एकाध और अन्य मुल्क अपने-अपने निजी स्पेस स्टेशन बनाने की अंतिम चरणों में हैं। अगले 10 में भारत के अलावा रूस भी अपना स्पेस स्टेशन स्थापित कर लेगा। मकसद भले ही इन स्पेस स्टेशनों का प्रयोग वैज्ञानिक शोधों के लिए हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं कि इन स्पेस स्टेशनों के जरिए कुछ देश सैटेलाइट्स मिसाइलों से लड़ाइयां लड़ने का जुगत भिड़ा रहे हों? बहरहाल, 41 बरस बाद शुभांशु शुक्ला के रूप में अब हमारा भी एक अतंरिक्ष यात्री अतंरिक्ष में पहुंचा है जिनके जाने का मकसद 10 साल बाद स्वर्निमित भारतीय स्पेस स्टेशन की तैयारियों की जांच-पड़ताल करना होगा। उनके पहुंचने का माध्यम इस बार भले ही एक्सिओम मिशन-4 क्यों न रहा हो? लेकिन भविष्य में ये निर्भरता खत्म होने को है। अंतरिक्ष में निजी स्पेस स्टेशन सिर्फ चीन का है, लेकिन उस दिशा में भारत भी करीब पहुंच चुका है। वर्ष 2009 में अमेरिका ने रूस के साथ एक करार किया था, जिसमें उन्होंने अपना अलग स्पेस स्टेशन बनाने का प्रस्ताव रखा था। उस प्रस्ताव की प्रासंगिकता अब समझ में आती है। अपने निजी स्पेस स्टेशन के जरिए अमेरिका अंतरिक्ष से मिसाइल से लड़ने की योजना बना रहा है। अंतरिक्ष में भी अपना एकछत्र राज करना चाहता है। धरती से अंतरिक्ष की दूरी करीब 62 मील है, जिसे पूरा करने में 28 घंटे लगते हैं। इतनी दूरी वाली मारक क्षमता वाली मिसाइल अमेरिका तैयार कर रहा है। अंतरिक्ष में 24 घंटे में 16 दफे सूर्योदय और 16 बार सूर्यास्त होता है। 90-90 मिनट की दिन और रातें होती है। अंतरिक्ष स्टेशन 24 घंटे में पृथ्वी के चारों ओर लगभग 16 बार चक्कर लगाते हैं। इन सभी की पड़ताल अमेरिका कर चुका है। सैटेलाइट मिसाइलों का प्रयोग अतंरिक्षत से कैसे हो, इसके लिए नासा की रिसर्च बहुत पहले से जारी है। इसरो और नासा अंतरिक्ष में मानव जीवन, सांस, पानी होने की पड़तालों में भी जुटे हैं। पर, इसरो का अगला कदम सन-2035 में अंतरिक्ष में खुद का भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने के अलावा वर्ष-2040 तक चंद्रमा पर मनुष्य को उतारना है। इसके लिए वह मिशन गगनयान को लांच करने की घोषणा पहले ही कर चुका है। इस मिशन में लगे वैज्ञानिकों को विशेष स्पेस ट्रेनिंग दी जा रही है। मौजूदा अंतरिक्ष में शुभांशु की उड़ान न सिर्फ एक मिशन है बल्कि भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक नए युग में साहसपूर्वक कदम रखने का संकेत भी है। इसरो अपने आगामी गगनयान मिशन को अब तक के सबसे बड़े मिशन में गिन रहा है जिसकी तैयारियां में बीते कई वर्षों से देश के टॉप 400 अतंरिक्ष वैज्ञानिक लगे हैं।

टैरिफ आर्थिक युद्ध का नहीं, आत्मनिर्भर शांति का रास्ता बने

जब किसी वैश्विक ताकत के शिखर पर बैठा नेता व्यापार को भी सौदेबाजी और दबाव नीति का औजार बना ले, तब यह न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर देता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों के आधारभूत सिद्धांतों को भी चुनौती देता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाकर ऐसा ही एक आर्थिक आघात पहुँचाया है। इस टैरिफ का लक्ष्य स्पष्ट है, भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा को बाधित करना और अमेरिकी वर्चस्व की पुनः स्थापना करना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य एवं भारत की उभरती अर्थव्यवस्था में अमेरिका की ट्रंपीय दादागिरी, एवं टैरिफ का तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रभाव कितना क्या असर दिखायेगी, यह भविष्य के गर्भ में हैं। लेकिन इस सन्दर्भ में भारत सरकार की दृढ़ता सराहनीय है। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है, दोनों का द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 190 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। ट्रंप और मोदी ने इस आंकड़े को दोगुना से भी ज्यादा 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन उस लक्ष्य पर सवालिया निशान लग गए हैं। ऐसे में, भारतीय कंपनियों को बहुत संभलकर अपने लिए नए बाजार खोजने व बढ़ाने चाहिए। भारत की अर्थव्यवस्था अब दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों ने भारत को उत्पादन और नवाचार का नया केंद्र बनाया है। भारत का टेक्सटाइल, स्टील, ऑटो पार्ट्स और आईटी सेवा क्षेत्र वैश्विक बाजार में निरंतर अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिका द्वारा टैरिफ थोपना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा से उपजे भय का संकेत है। लेकिन यह निर्णय केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। ट्रंप प्रशासन हमेशा से ही व्यापार संतुलन के मुद्दे को राष्ट्रीय गौरव से जोड़कर देखता रहा है। अमेरिका फर्स्ट की नीति का मुख्य हथियार रहा है, दूसरों को पीछे धकेलकर अमेरिका को आगे लाना। यह एकतरफा सोच व्यापार के मूल्यों और साझेदारी की भावना को कमजोर करती है। व्यापार समझौते पर 1 अगस्त की समय सीमा तक दोनों देशों के बीच जारी बातचीत किसी नतीजे पर न पहुंचने का बड़ा कारण भारत का अमेरिका की शर्तों पर समझौता करने के लिए तैयार नहीं होना रहा है। उसे आगे भी तैयार नहीं होना चाहिए। इसका कोई मतलब नहीं कि भारत अमेरिका से ऐसा व्यापार समझौता कर ले, जो केवल उसके हित में हो। इस तरह के समझौते तो तभी हो पाते हैं, जब दोनों पक्षों के हित सधते हैं। भारत को अपने हितों की रक्षा के लिए अडिग रहना चाहिए और यह स्पष्ट करने में संकोच भी नहीं करना चाहिए कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुचित दबाव के आगे झुकने वाला नहीं। भारत को ट्रंप के मनमाने फैसलों से डरने की आवश्यकता इसलिए भी नहीं, क्योंकि वे अपने फैसलों से पीछे हटने और उन्हें पलटने के लिए जाने जाते हैं। उनके इस रवैये के कारण उनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फजीहत भी हो रही है। उन्हें यह समझ आ जाए तो अच्छा कि आज का भारत पहले वाला भारत नहीं है और अमेरिका का भी प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा। डोनाल्ड ट्रंप की नीति अक्सर दबाव डालो और झुकावो पर आधारित रही है। चीन, यूरोप, मैक्सिको के साथ भी ट्रंप की व्यापार नीति टकरावपूर्ण रही है। लेकिन भारत, ऐतिहासिक रूप से संतुलन साधने वाली कूटनीति में विश्वास करता रहा है। भारत ने कई बार वार्ता के माध्यम से समझौते की दिशा में पहल की, लेकिन ट्रंप की आक्रामक नीति और डीलमेकिंग की व्यक्तिगत शैली ने किसी संतुलन को बनने नहीं दिया।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गाया, भगवान-राम का दिव्य जीवन)

भाग 30

गतांक से आगे .....

महात्मा विश्वामित्र चारों राजकुमारों सहित ब्रह्मचारियों को धनुर्याग का अभ्यास कराते रहते थे। अस्त्रों-शस्त्रों में अभ्यस्त होना, अस्त्रों-शस्त्रों का निर्माण करना और उनका प्रहार करना। अस्त्रों-शस्त्रों का जब अभ्यास कराया जाता है,तो वो महानता में परिणित होता है। विचार आता रहता है, उनके यहाँ ब्रह्मचारी प्रातःकालीन याग करते थे और याग करने के पश्चात् उनकी शिक्षा प्रारम्भ होती थी। वे शिक्षा क्या देते,कि परमाणुओं का मिलान करना और अग्नि-तत्त्व को जानना और गुरुत्त्व को उसमें मिश्रण करना और तरल-तत्व की उसमें पुट लगाना। ये तीन परमाणु कहलाते हैं और उनकी वायु में गति देना और आकाश में भ्रमण कराना,इस प्रकार की शिक्षा वे प्रायः प्रदान करते रहते। महात्मा विश्वामित्र राजकुमारों और ब्रह्मचारियों के सहित शिक्षा देना प्रारम्भ कर रहे थे और वे महात्मा वशिष्ट मुनि महाराज की आज्ञा से शिक्षापान कर रह थे। विद्यालय में जब भी धनुर्याग का अभ्यास कराया जाता है,तो वहाँ ब्रह्मचारी होता है और अस्त्रों-शस्त्रों का अभ्यास होता है और धर्मज्ञता धर्म और कर्त्तव्यवाद की उन्हें दीक्षा प्रदान की जाती है।

विजय-दशमी को वार्षिक दीक्षान्त-उपदेश

मुझे वो काल स्मरण आता रहता है कि महात्मा विश्वामित्र ब्रह्मचारियों का जब आश्रम में एक वर्ष सम्पन्न होता तो उनका दीक्षांत उपदेश होता रहता। दीक्षा का अभिप्रायः यह है कि उन ब्रह्मचारियों को,उनके अस्त्रों-शस्त्रों का जो क्रियाकलाप था,उनका जो कौतुक था,उसे वे दृष्टिपात कराते रहते।

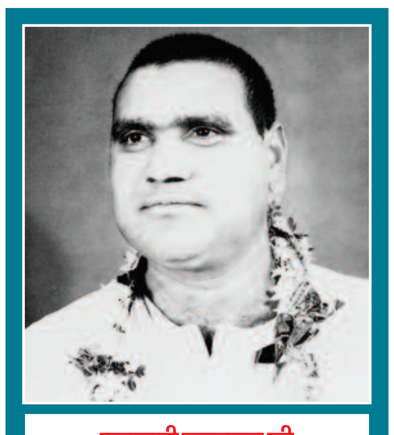

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

एक दिवस माता अरून्धती और महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज,महर्षि भारद्वाज, महर्षि कादेप्त ऋषि महाराज आदि ऋषि-मुनियों का एक समाज एकत्रित हुआ और विश्वामित्र जी ने यह कहा कि ''भगवन्! मेरे ब्रह्मचारियों को अपना दीक्षांत उपदेश दीजिये।'' तो वे जब एकत्रित हुए तो सबसे प्रथम माता अरुन्धती से कहा, ''हे माते! तुम इन ब्रह्मचारियों को अपना दीक्षांत-उपदेश दीजिये।

माता अरुन्धती उपस्थित हुई तो उन्होंने कहा, ''हे ब्रह्मचारियो! जो तुमने अब तक प्राप्त किया है,उसको तो हमने दृष्टिपात किया है। तुम अस्त्रों-शस्त्रों की विद्या का अभ्यास कर रहे हो और तुम अभ्यस्त हो रहे हो। यह हमारे राष्ट्र का बड़ा सौभाग्य है और यह राष्ट्र का गौरव कहलाता है। क्योंकि जिस राजा के राष्ट्र में ब्रह्मवेत्ता और विज्ञानवेत्ता विज्ञान के ब्रह्मचारियों को जो दीक्षा देता है,शिक्षा देता है; उस राजा का और राष्ट्र का बड़ा सौभाग्य माना गया है। अपने में राष्ट्र का सौभाग्य स्वीकार करते हुए, मैं तुम्हें उपदेश क्या, मैं अपने उद्गार देना चाहती हूँ और उद्गार केवल यह है कि तुम्हारा जो मानवीय चिन्तन है,वो पवित्र होना चाहिये। जब ब्रह्मचारी का अथवा छात्र का चिन्तन महान् बन जाता है,तो उसकी आत्मा से उद्गारों की झड़ियाँ लग जाती हैं और आत्मा से जो उद्गारों का जन्म होता है,वही उद्गार महान् बन करके और वही उद्गार,उसके जीवन की आगे भूमिका का निर्माण करते रहते हैं,क्योंकि वे उसकी भूमिका बनाते रहते हैं। इसी प्रकार,तुमने जो महर्षि विश्वामित्र से अस्त्रों-शस्त्रों को जाना है और भारद्वाज मुनि की कुछ सहायता भी तुमने ली है। महर्षि विश्वामित्र, क्योंकि ये पुरातन काल में राजा भी रहे, तपस्वी भी रहे, और ये अभिमानी भी रहे हैं और अब ब्रह्मवेत्ता भी बन गये, यह हमारा सौभाग्य है,ऐसे महापुरुष जो अपने में बड़े विचित्र रहे हैं, जिन्होंने बाल्यकाल में आचार्यों से शिक्षा प्राप्त की है और वे तुम्हें शिक्षा दे रहे हैं, यह बड़ा सौभाग्य है।'' क्रमशः.....

विद्यार्थी किस प्रकार परीक्षा में अच्छे अंक ला सकते हैं?

बदलते दौर में शिक्षा का स्वरूप, अंक प्रणाली, सिलेबस और शिक्षण तकनीक में बहुत परिवर्तन हुआ है यदि किसी विद्यार्थी से पूछा जाए तो उसकी सबसे बड़ी इच्छा क्या है? तो उसका जवाब यही होता है कि अच्छे अंक प्रतिशत से परीक्षा उत्तीर्ण करना। यदि आप एक विद्यार्थी हैं तो आपको निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान देना चाहिए।

डॉ आनंद शर्मा
उप प्रधानाचार्य महर्षि दयानंद विद्यापीठ

आप नीचे सुझाए गए कार्यों को ठीक प्रकार से करते हैं तो निश्चित रूप से परीक्षा में आप बेहतर अंकों के साथ उत्तीर्ण होंगे।

सबसे पहले क्या करें

मार्किंग स्कीम अपने विषय की मार्किंग स्कीम का अध्ययन करें कौन सा प्रश्न कितने अंकों में है और उसको कितने शब्दों में लिखना है? इससे यह फायदा होगा कि आप संबंधित प्रश्न को उतना ही समय देंगे जितनी उसे आवश्यकता है।

सैंपल पेपर बाजार में विभिन्न प्रकार के सैंपल पेपर उपलब्ध हैं एक विद्यार्थी को अक्टूबर-नवंबर के बाद अच्छे प्रकाशन के सेम्पल पेपर अपने शिक्षक के सुझाव अनुसार लेकर उसकी तैयारी करनी चाहिए। पिछले 5 वर्षों में आए प्रश्नों को अनिवार्य रूप से हल कर लेना चाहिए।

लक्ष्य निर्धारण अपने लिए गोल सेट करें लक्ष्य का निर्धारण किए बिना कभी सफलता प्राप्त नहीं होती। आप तय करें कि कितने प्रतिशत अंक आप लेकर आएंगे। विद्यालय में हो रही परीक्षाओं में उत्तरोत्तर बेहतर करने की कोशिश करें।

दिनचर्या आप व्यवस्थित दिनचर्या के अभाव में कभी भी सफल नहीं हो सकते, एक विद्यार्थी को चाहिए कि वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक की अपनी दिनचर्या को निर्धारित करें ऐसा करने से उसके किसी काम में कोई बाधा नहीं आएगी और सभी विषय समय पर तैयार होंगे।

पाठ्य पुस्तक आजकल विद्यार्थियों में पाठ्यपुस्तकों को ना पढ़ने का एक अलग ही प्रचलन चला है। जो बहुत ही गंभीर विषय है यदि आप एक अच्छे विद्यार्थी हो और विषय की गहन जानकारी करना चाहते हो आपको अपनी पाठ्यपुस्तक अवश्य खरीदनी चाहिए और उसका निरंतर अध्ययन भी करना चाहिए।

4 घंटे का अधिगम एक विद्यार्थी को कम से कम 3 से 4 घंटे का लर्निंग टाइम अर्थात याद करने के लिए समय जरुर निकालना चाहिए। इसे आप सुबह और शाम में अलग-अलग विभाजित भी कर सकते हैं।

रटने से परहेज विद्यार्थियों को रटने से परहेज करना चाहिए, विषय इतने व्यापक हैं और इतने अधिक हैं कि रट पाना नामुमकिन सा है, इसलिए हमेशा प्रयास करें विषय को समझे उसके लिए ट्रिक तैयार करें। बार-बार पढ़ने से विषय तैयार हो जाता है।

भोजन और नींद एक विद्यार्थी के लिए भोजन और नींद दोनों का बहुत बड़ा महत्व है। आप अपने भोजन में हरी पत्तेदार सुपाच्य सब्जियां, चावल, दूध,अनाज,दही और पोषक पदार्थ से युक्त भोजन को शामिल करें। फास्ट फूड से विद्यार्थियों को परहेज करना चाहिए और खूब पानी पीना चाहिए। विद्यार्थियों को 6 से 7 घंटे की नींद अवश्य लेनी चाहिए, नींद हमारे शरीर और दिमाग दोनों को आराम पहुंचाती है जब शरीर और दिमाग आराम पाते हैं तो अगले दिन कार्य करने के लिए तैयार रहते हैं। नींद पूरी न होने पर कभी-कभी कक्षा में भी बच्चे झबकी लेते पाए जाते हैं।

किन बातों से सावधान रहे

- यदि आप रात में दो-तीन बार टॉयलेट जाते हैं तो आपको चिकित्सक से सलाह अवश्य देनी चाहिए यह स्वस्थ विद्यार्थी का लक्षण नहीं है।

- सोने से पहले कुछ अच्छी बातों का स्मरण करें, पूरे दिन के अपने समय के उपयोग की समीक्षा करें अच्छा संगीत सुन सकते हैं इससे रात में आने वाली नींद सुखद होगी।
- यदि कुछ विद्यार्थियों को अकेले रहने की आदत है तो यह एक नुकसानदायक आदत है,भविष्य में यह आदत अवसाद में परिवर्तित हो सकती है। महान दार्शनिक अरस्तू ने कहा है की अकेले में या तो जानवर रह सकता है या फिर देवता। मनुष्य तो एक सामाजिक प्राणी है और वह समाज के अभाव में मनुष्य नहीं है।
- यदि रात में बार-बार करवट बदलते हैं नींद गहरी नहीं आती है तो यह भी एक समस्या है इसके लिए प्रायणाम, योग और आसन को अपने जीवन में बढ़ाएं, निश्चित रूप से इसका लाभ मिलेगा।
- यदि किसी बात का मन पर बोझ है तो अपने माता-पिता और शिक्षकों से अवश्य कह दे इसे मन हल्का होगा और आप तनाव मुक्त होंगे।
- अपने अभिभावकों माता-पिता और शिक्षकों की बात का बुरा न माने,यह सही मायने में आपके सच्चे शुभचिंतक हैं।
- जीवन में 3-F से बचकर रहे। फेसबुक, फ्रेंडशिप, फास्टफूड। यदि एक विद्यार्थी इन तीनों ऋ्से बच जाता है तो उसकी कामयाबी को कोई नहीं रोक सकता।
- किसी भी क्रिया पर प्रतिक्रिया देने से पहले 5+5+5=15 सेकंड अवश्य समय लें। पहले 5 सेकंड सोचे अगले 5 सेकेण्ड में सही गलत का आकलन करें और बाद के 5 सेकंड में तब इसका उत्तर दें। इससे आप बहुत सारे अनावश्यक विवादों से बच जाएंगे।
- सुबह उठकर हल्का व्यायाम और 10 मिनट मेडिटेशन को अवश्य दें, नकारात्मक विचारों को शरीर में आने से रोके सकारात्मक विचार रखें कामयाब लोगों की जीवनिया पढ़ें।
- जब भी पढ़ो पूर्व या उत्तर दिशा में मुंह करके पढ़ें, आपके पीछे खाली स्थान खिड़की आदि ना हो। जिस स्थान पर किताबें रखें वहां खाने-पीने का सामान और गंदगी बिल्कुल भी ना हो।
- सूर्य नमस्कार व अन्य उपयोगी आसान अवश्य करें। एक आंवले का प्रतिदिन सेवन करें आँवला शरीर के लिए बहुत उपयोगी होता है।
- किताबों के अतिरिक्त ऐसे प्रश्नों का उत्तर लिखे जो किताब में नहीं है (मेरे प्रश्न मेरे उत्तर)
- आजकल प्रश्न पत्र चार तरह के प्रश्नों से बनते हैं जिनमे बहु विकल्पीय प्रश्नों की मात्रा बढ़ाई जा रही है। ऐसे में विषय को गहनता से पढ़ें तभी आप इस तरह के प्रश्न के उत्तर दे पाएंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र में लगभग 40% प्रश्न बिना पढ़े आते हैं जो कि आपका के समझ पर आधारित होते हैं। ना उनके उत्तर कक्षा में लिखवाए जाते हैं और ना ही वह किसी किताब में लिखे होते हैं।
- जीवन में चार सूत्रों का उपयोग करें। फैक्ट, एक्ट,टेक्ट और कांटेक्ट। फैक्ट अर्थात क्या नहीं आता है? यह विद्यार्थी को खुद से प्रश्न करना चाहिए। एक्ट अर्थात जो नहीं आता है उसे खुद से सीखने का प्रयास। टेक्ट अर्थात जो उदाहरण और सैंपल पेपर में तरीके सुझाए गए हैं उनके आधार पर तैयारी, कांटेक्ट अर्थात जो कमी रह गई है उसे अपने अध्यापकों की सहायता से हल करना और उसके उत्तर ढूंढना। जब आप इस पूरी प्रक्रिया का पालन करते हैं तो ऐसा कोई प्रश्न नहीं रह जाता जिसका उत्तर विद्यार्थी के पास ना हो,लिखकर याद करने की प्रयास करें।

पंच प्रण

1 अपना लक्ष्य निर्धारित करें।
2 अपनी सोच सकारात्मक रखें।
3 आत्मविश्वास से भरपूर रहे।
4 स्वयं को धोखा ना दे सत्यनिष्ठ रहे।
5 अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहे।

महीने में एक बार विषय के संबंध में अलग से अपने शिक्षक से बात अवश्य करें।

निश्चित रूप से यदि सभी विद्यार्थी इन नियमों का पालन करेंगे तो किसी भी परीक्षा में सर्वोत्तम अंकों के साथ उत्तीर्ण होने की शत प्रतिशत गारंटी है।

डॉ कृष्ण वीर शाक्य के मार्गदर्शन पर आधारित

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादकः चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइलः 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

बागपत में सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने की कवायद शुरू, हर विभाग को सौंपी जिम्मेदारी

विश्व बंधु शास्त्री

बागपत। जल संरक्षण, भूगर्भ जल स्तर में सुधार और पारिस्थितिक संतुलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद की छोटी एवं सहायक नदियों के पुनरोद्धार के संबंध में गहन समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने संबंधित विभागों को स्पष्ट एवं समयबद्ध दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्य केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक स्थायी विरासत है। नदियों के कायाकल्प से सम्पूर्ण क्षेत्र में पर्यावरण संतुलन स्थापित होगा।

बैठक में विशेष रूप से हिंडन नदी की सहायक नदियों के कायाकल्प पर चर्चा की गई, जो जनपद के बारह गांवों असारा, गोपालपुर खड़ाना, इब्राहिमपुर माजरा, गांगनोली, असरफाबाद, नांगल, कंडेरा, बामनौली, रंछाड़, रहतना, बरनावा और फखरपुर शेखपुर से होकर बहती है। वर्षों से उपेक्षा झेल रही ये सहायक नदी अब प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल हो गई है, और इसके पुनरोद्धार के लिए बहुआयामी रणनीति तैयार की जा रही है।

जिलाधिकारी ने वन विभाग को निर्देशित किया कि नदी के दोनों किनारों पर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कराया जाए ताकि मृदा क्षरण रोका जा सके और पर्यावरण संतुलन स्थापित हो। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि वह नदी के प्रवाह को बाधित करने वाली सिल्ट और कीचड़ की समयबद्ध सफाई की कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने कहा कि नदियों का अविरल प्रवाह सुनिश्चित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, और इसके लिए नियमित निगरानी जरूरी है।

बैठक में रमाला चीनी मिल द्वारा नदी में छोड़े जाने वाले अपशिष्ट जल की शुद्धिकरण व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने सख्त लहजे में कहा कि इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट की नियमित जांच की जाए और किसी भी स्थिति में मानकों से समझौता न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि उद्योगों द्वारा प्रदूषित जल नदियों में छोड़ा गया तो उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। भूगर्भ जल स्तर को संरक्षित करने की दिशा में अटल भूजल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जलग्रहण क्षेत्रों में चेक डैम, वर्षा जल संचयन गड्ढे एवं रिचार्ज स्ट्रक्चर का निर्माण शीघ्र कराया जाए ताकि वर्षा जल भूमि में समाहित हो और जल संकट से निपटने में सहायता मिले।

जिलाधिकारी ने सहायक नदियों से जुड़े ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी पर विशेष बल देते हुए कहा कि नदी पुनरोद्धार कार्य में ग्रामीणों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों और विद्यालयों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। बैठक में वन विभाग, जल निगम, भूमि संरक्षण, पंचायत राज, गन्ना विकास, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी विभागों से समन्वित प्रयासों की अपेक्षा जताते हुए निर्देश दिए कि नदी पुनरोद्धार कार्य को मिशन मोड में समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव ,अपर जिलाधिकारी पंकज वर्मा ,अधिशासी अभियंता सिंचाई रजनीश कुमार सहित आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने सिसाना गांव में लगाई झाड़ू, दिया स्वच्छता का संदेश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। जनपद में स्वच्छता को जनांदोलन बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने बुधवार को गांव सिसाना में स्वयं झाड़ू उठाकर सफाई अभियान में श्रमदान किया। इस असाधारण दृश्य ने जहां ग्रामीणों को आश्चर्य में डाल दिया और ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित भी किया। उन्होंने गांव के सार्वजनिक स्थलों पर सफाई कार्य करते हुए आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान एवं पंचायत सचिव को स्पष्ट निर्देश दिए कि गांव में नियमित रूप से सफाई अभियान संचालित किया जाए। इस दौरान सिसाना में बस अड्डे के नजदीक ग्रामीणों द्वारा नाले में डाले जा रहे कूड़े की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में गंदगी और अव्यवस्था की स्थिति स्वीकार्य नहीं होगी। गंदगी से बीमारियां फैलती है जो आर्थिक एवं शारीरिक दोनों तरीके से प्रभावित करती है। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही उनके निस्तारण के निर्देश दिए। जिला पंचायती राज अधिकारी अरुण अत्री को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों का नियमित निरीक्षण कर ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं मिलना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने सफाईकर्मियों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि 'स्वच्छता केवल एक विभाग का दायित्व नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।' इस अभियान में मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर अमरचंद वर्मा, ग्राम्य विकास विभाग के परियोजना निदेशक राहुल वर्मा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी गांव के विभिन्न हिस्सों में जाकर स्वच्छता कार्यों में भाग लिया और ग्रामीणों को प्रेरित किया।

होराइजन किड्स एकेडमी के उद्घाटन में जुटे प्रदेश व जिले के शीर्ष अधिकारी

डीआईजी साइबर क्राइम लखनऊ मुख्य अतिथि, डीएम-एसपी सहित कई गणमान्य रहे उपस्थित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। कस्बे के रेलवे रोड स्थित होराइजन किड्स एकेडमी के भव्य उद्घाटन समारोह में शुक्रवार को प्रदेश और जिले के शीर्ष अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूर्व सैन्य अधिकारी ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) देवेंद्र धामा द्वारा स्थापित इस शिक्षण संस्था का शुभारंभ पुलिस उप महानिरीक्षक, साइबर क्राइम लखनऊ, पवन कुमार (आईपीएस) ने फीता काटकर किया। मुख्य अतिथि के साथ जिलाधिकारी अस्मिता लाल व पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय भी मौजूद रहे। एनसीसी कैडेटों द्वारा सलामी दी गई और इसके बाद सरस्वती वंदना व स्वागत गान की प्रस्तुति हुई। नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक और देशभक्ति कार्यक्रमों ने सभी अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बच्चों की प्रतिभा और मंच संचालन की दक्षता ने विद्यालय के समग्र विकास दृष्टिकोण को दशार्या। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि व अन्य वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा के साथ जीवन मूल्यों का समन्वय आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने बच्चों को उत्कृष्टता के लिए सतत प्रयास करने की प्रेरणा दी और विद्यालय प्रबंधक ब्रिगेडियर देवेंद्र धामा व प्रधानाचार्या वंदना के प्रयासों की सराहना की, जो एक सुरक्षित, पोषित और प्रगतिशील शैक्षिक वातावरण तैयार करने में जुटे हैं। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष नीलम धामा, तहसीलदार वर्तिका श्रीवास्तव, थाना प्रभारी प्रभाकर कैंतूरा, जिला पंचायत सदस्य मनुपाल बंसल समेत कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

भारतीय समाज पार्टी छोटे राज्यों की पक्षधर: रामपाल सिंह

बड़ौत (बागपत)। आज तहसील के हॉल मे एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें सुहेल देव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामपाल सिंह ने कहा हमारी पार्टी छोटे राज्यो की पक्षधर है। किसान मजदूर की आवाज उठाती है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर का इसी महीने बागपत का निरीक्षण करने आएंगे। जनपद के प्रतिनिधियों ने बड़ौत और बिनौली ब्लॉक के दो हिस्से करने के लिए जो प्रस्ताव भेजा तो हम ब्लॉक बनवाने का काम करेंगे । ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जनता द्वारा कराने का प्रस्ताव केद्र सरकार को भेजा जा चुका है जिससे बाहुबल और खरीद फरोख्त पर लगाम लगेगी। इस अवसर पर वकीलों ने मुंसिफ कोर्ट की माँग रखी। इस मौके पर एडवोकेट वेदपाल पंवार , पूर्व बार अध्यक्ष एडवोकेट सतपाल पंवार, एडवोकेट हरेंद्र तोमर, एडवोकेट विकास तोमर बार महामंत्री एडवोकेट मोहित चौहान, एडवोकेट पुष्पेंद्र तोमर समेत अनेक वकील मौजूद रहे।

राज्यसभा सांसद जयंत की निधि से निमार्णाधीन छपरौली के रनिंग ट्रैक का डीएम ने किया निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। जनपद में खेल अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। राज्यसभा सांसद जयंत चौधरी की संसदीय क्षेत्रीय विकास योजना के अंतर्गत विधा मंदिर इंटर कॉलेज, छपरौली में 200 मीटर लंबा 5 लेन सिंथेटिक रनिंग ट्रैक का निर्माण कराया जा रहा है। यह कार्य युवा खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए कुल 82.085 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है। परियोजना के अंतर्गत प्रथम किश्त 49.251 लाख की राशि कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं औद्योगिक निगम लिमिटेड को 24 जनवरी 2025 को अवमुक्त की गई थी। वर्तमान में ट्रैक का बेस कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जबकि मिट्टी भराई, नाली पर कवर, एवं सिंथेटिक ट्रैक पर कोटिंग कार्य शेष है।

कार्य की प्रगति की समीक्षा हेतु आज जिलाधिकारी अस्मिता लाल स्वयं मौके पर पहुंचीं और निर्माणस्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था के अभियंताओं से निर्माण की गुणवत्ता, समयबद्धता और तकनीकी पहलुओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शेष कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए तथा कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।

उन्होंने यह भी कहा कि ₹यह ट्रैक क्षेत्र के युवाओं के लिए खेल गतिविधियों में नए अवसर खोलेगा। आज के समय में प्रतियोगी खेलों में सफलता के लिए आधुनिक अधोसंरचना अनिवार्य है, और यह परियोजना छपरौली क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगी।₹ उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए।

ज्ञात हो, बागपत में खेलों के प्रति युवाओं की गहरी रुचि है और राष्ट्रीय स्तर तक भागीदारी करने वाले कई खिलाड़ी यहां से निकल चुके हैं। ऐसे में यह ट्रैक न केवल खेल प्रतिभाओं को स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण देने में सहायक होगा, बल्कि स्वास्थ्य एवं अनुशासन की भावना को भी बढ़ावा देगा। इस अवसर पर बड़ौत एसडीएम भावना सिंह, कार्यदायी संस्था के अधिशासी अभियंता सहित शिक्षा विभाग एवं खेल विभाग के संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जैन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में पौधारोपण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। जैन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में शुक्रवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज प्रबंधन समिति के सचिव राहुल जैन और कॉलेज की प्राचार्य डॉ. मीनाक्षी देवी ने जामुन, अमरूद, अशोक आदि फलदार पौधों को लगाकर की। परिसर में 20 से अधिक छायादार और फलदार पौधे शहतूत, शीशम, चांदनी आदिलगाए गए। कॉलेज प्रशासन ने इन पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी ली। पौधारोपण कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनोद कुमार के नेतृत्व में छात्राओं अंजलि, आरती, शिवानी, आंचल सहित अन्य छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में निखलेश कुमार, दीपक कुमार, दिशा जैन, विशाखा शर्मा, टीना जैन, नीलम, दीपा, सत्य प्रकाश आदि का विशेष सहयोग रहा। वक्ताओं ने छात्रों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन का राष्ट्रीय अधिवेशन अयोध्या में संपन्न

विश्व बंधु शास्त्री

अयोध्या। ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन रजि० का राष्ट्रीय अधिवेशन भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या के कंचन भवन में महंत विजय दास जी के सानिध्य में संपन्न हुआ।

अधिवेशन में राष्ट्रीय पदाधिकारियों सहित अन्य जनपदों बलिया, बलरामपुर, अयोध्या, ललितपुर, संभल सहित तीन प्रदेशों से काफी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्व बंधु शास्त्री ने की। संचालन प्रदेश महामंत्री मुनेन्द्र त्यागी द्वारा किया गया। प्रदेश अध्यक्ष कमलेश कुमार त्रिपाठी ने पत्रकारों से संगठित होकर कार्य करने का आवाहन किया।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय जैन ने बैठक में घोषणा की संगठन से जुड़े सभी पत्रकारों का बीमा कराया जाएगा। जिसके लिए उनसे कोई धन नहीं लिया जाएगा। प्रदेश सचिव विष्णु चंसौलिया ने पत्रकारों से संगठित होकर कार्य करने पर बल दिया। प्रदेश महामंत्री मुनेन्द्र त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकारों से अपील की कि वह आपस में एक दूसरे की बुराई न कर अपने से वरिष्ठ पत्रकारों से सीख लेने की नसीहत दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्व बंधु शास्त्री ने सभी पत्रकारों से आग्रह किया कि वह संगठित होकर कार्य करें जिससे कोई उनका उत्पीड़न करता है तो उसे समय पर उचित जवाब दिया जा सके। अधिवेशन के समापन पर महाराज श्री ने पत्रकारों का आवाहन किया कि वे समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। पत्रकार समाज का दर्पण होता है इसलिए आप जैसे होंगे वैसा ही समाज बनेगा। अधिवेशन में एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्व बंधु शास्त्री, कमल अग्रवाल राष्ट्रीय महामंत्री, धरमपाल गिरि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अजय जैन कोषाध्यक्ष, उमेश गुप्ता राष्ट्रीय सचिव, विष्णु चंसौलिया राष्ट्रीय सचिव, कमलेश कुमार त्रिपाठी प्रदेश अध्यक्ष, मुनेन्द्र त्यागी प्रदेश महामंत्री, अरविंद संज्ञा राष्ट्रीय सचिव, यदुनंदन , अयोध्या जिला अध्यक्ष राहुल तिवारी, महेश कुमार त्रिपाठी, सत्य प्रकाश अयोध्या आदि काफी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

रालोद के सदस्यता अभियान में महिलाओं ने ली सदस्यता

खेकड़ा (बागपत)। रालोद द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान के तहत शुक्रवार को गांव सांकरौद में सदस्यता शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर देवेन्द्र धामा के आवास पर हुआ, जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय लोकदल के महासचिव सुखबीर सिंह गठीना ने की।

शिविर में महिला विंग की अध्यक्ष प्रज्ञा बालियान के नेतृत्व में महिला सदस्यता अभियान चलाया गया। गांव की अनेक महिलाओं ने बढ़-चढ़कर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और पार्टी की नीतियों पर विश्वास जताया। महिला विंग बागपत की आसमा, अंजु, शैफाली, अजयवीर सिंह, अमित फौजी, पप्पू त्यागी, इंद्रजीत प्रधान आदि कार्यकर्ता शामिल रहे। कार्यक्रम में गांव अध्यक्ष को भी दायित्व सौंपे गए। सदस्यता अभियान को लेकर पार्टी कार्यकताओं में उत्साह देखा गया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त का हुआ वितरण

जनपद के 1 लाख से अधिक किसानों को मिली राहत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। वाराणसी में आयोजित पीएम किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जारी की गई। इस अवसर पर बागपत जनपद के सभी विकास खंड, न्याय पंचायतों एवं जनपद स्तर पर कृषि विज्ञान केंद्रों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनका वर्चुअल प्रसारण किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के 101,730 कृषकों को 20,34,60,000 रुपये की धनराशि उनके बैंक खातों में सीधे अंतरित की गई। यह धनराशि कुल 20वीं किस्त के रूप में हस्तांतरित की गई। विभिन्न विकास खंडों में किसान सम्मान निधि वितरण कार्यक्रम के तहत बागपत विकास खंड में 69, पिलाना में 76, बिनौली में 100, छपरौली में 64 किसानों लाभावित हुए। कृषि विज्ञान केंद्र पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें 1735 कृषकों एवं 2313 ग्रामीणों की उपस्थिति दर्ज की गई। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड भी किसानों को वितरित किए गए और कृषि संबंधित उपयोगी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में भाजपा किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष नितिन चौधरी, ब्लाक स्तरीय अधिकारियों, न्याय पंचायत एवं ग्राम प्रधानों की विशेष भागीदारी रही।

होटल में थूक लगाकर रोटी बनाने का वीडियो वायरल, कार्रवाई की मांग तेज

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। कस्बे के पाठशाला रोड स्थित एक होटल में रोटी बनाते समय कारीगर द्वारा थूक लगाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो के सामने आने के बाद कस्बे में आक्रोश का माहौल है और लोगों ने आरोपी कारीगर व होटल मालिक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक कारीगर रोटी बनाते समय थूक लगा रहा है। लोगों का कहना है कि यह न सिर्फ घिनौना कृत्य है बल्कि सामाजिक सौहार्द और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला भी है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि यह कार्य धर्म विशेष को अपमानित करने और दूसरों की आस्था से खिलवाड़ करने का षड्यंत्र है। गंभीरता को देखते हुए कस्बे के लोगों ने कोतवाली पहुंचकर लिखित शिकायत दी है और आरोपी कारीगर व होटल मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि वायरल वीडियो और प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं, दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गन्ना भवन में गुड़ उद्यमियों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

गुड़ आधारित उत्पादों में विविधता, गुणवत्ता, ब्रांडिंग, मूल्य संवर्धन आदि विषयों दिया गया प्रशिक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए गुड़ उत्पादकों एवं उद्यमियों के लिए एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन उप गन्ना आयुक्त कार्यालय, गन्ना भवन के सभागार में किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य किसानों एवं लघु उद्यमियों को गुड़ आधारित उत्पादों की विविधता, गुणवत्ता, ब्रांडिंग, मूल्य संवर्धन तथा बाजारीकरण के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराना था। कार्यक्रम कार्यक्रम की अध्यक्षता मेरठ परिक्षेत्र के उप गन्ना आयुक्त श्री राजीव राय द्वारा की गयी।

कार्यशाला में जनपद मेरठ, बागपत, हापुड़, बुलन्दशहर एवं अलीगढ़ जनपद से आए लगभग 50 से अधिक गुड़ उद्यमियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें परंपरागत गुड़ निमार्ता, नवाचार अपनाने वाले युवा उद्यमी एवं ग्रामीण महिला समूहों के प्रतिनिधि सम्मिलित थे। साथ ही, प्रदेश के विभिन्न जनपदों से सैकड़ों उद्यमियों ने ऑनलाइन माध्यम से इस कार्यक्रम में भाग लेकर जानकारी प्राप्त की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उप गन्ना आयुक्त, मेरठ ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की दूरदर्शी सोच और सशक्त नीतियों के माध्यम से कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में ग्रामीण उद्योगों, विशेषकर गुड़ उद्योग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। गुड़ उत्पादन भले ही परंपरागत क्षेत्र है, लेकिन यह अपार संभावनाओं से परिपूर्ण है। यदि इसमें गुणवत्ता, प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीकों का समावेश किया जाए, तो यह किसानों की आय बढ़ाने और प्रदेश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रभावशाली माध्यम बन सकता है।

उन्होनें यह भी कहा कि गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यशाला एक प्रेरणादायक पहल है, जिसका उद्देश्य गुड़ उत्पादकों को जैविक और वैज्ञानिक तरीकों से प्रशिक्षित करना है। इस कार्यक्रम में सीएसआईआर के वैज्ञानिकों और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की भागीदारी इसे और भी उपयोगी व प्रामाणिक बनाती है। बेहतर गुड़ उत्पादन के लिए उन्नत गन्ना किस्मों का चयन, स्वच्छ एवं संक्रमण रहित प्रसंस्करण तथा उचित तापमान पर सुखाने जैसी वैज्ञानिक विधियाँ अपनाना आवश्यक है। इससे गुड़ की गुणवत्ता सुधरेगी और बाजार में उसकी मांग व मूल्य में वृद्धि होगी।

जिला गन्ना अधिकारी, मेरठ ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान गुड़ उत्पादकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में जैविक उत्पादों की वैश्विक मांग तीव्र गति से बढ़ रही है। यदि हम जैविक गुड़ के उत्पादन को बढ़ावा दें, तो उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में अग्रणी राज्य बन सकता है। इससे न केवल किसानों की आमदनी में वृद्धि होगी, बल्कि निर्यात और रोजगार के नए द्वार भी खुलेंगे। यह कार्यशाला ज्ञान, तकनीक और प्रोत्साहन का संगम है, जो प्रदेश के आर्थिक विकास की दिशा में एक ठोस कदम सिद्ध होगी। आइए, हम सभी मिलकर परंपरा और नवाचार को जोड़ते हुए उत्तर प्रदेश को समृद्ध, स्वावलंबी और प्रगतिशील बनाएं।

कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद, शाहजहाँपुर की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. प्रियंका सिंह ने वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से कार्यशाला में प्रतिभागी गुड़ उत्पादकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'गुड़ उत्पादन में नवीनतम वैज्ञानिक तकनीक एवं मूल्य संवर्धन की संभावनाएं' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि परंपरागत गुड़ उत्पादन के साथ-साथ अगर गुड़ आधारित उत्पाद जैसे चॉकलेट गुड़, फ्लेवर्ड गुड़, पाउडर गुड़, ब्लॉक गुड़, एनर्जी बार इत्यादि विकसित किए जाएं, तो इससे उत्पादों की बाजार में मांग बढ़ेगी और किसानों की आय में कई गुना वृद्धि संभव है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीएसआईआर, देहरादून से आए वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पंकज कुमार आर्य ने प्रदूषण मानक के अनुरूप एनर्जी एफिशियेन्ट और कम धुए वाले गुड़ प्लांट स्थापित करने हेतु वाष्पीकरण प्रणाली, धुंआ नियन्त्रण, फर्नेस का डिजाइन आदि विषयों पर तकनीकी सुझाव दिये। इसके पश्चात मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री तन्मय अग्रहरि, जगवीर चौधरी ने गुड़ निर्माण में स्वच्छता एवं गुणवत्ता, गुड़ की पैकेजिंग, ब्रांडिंग, खाद्य सुरक्षा मानक एवं लाइसेंसिंग प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार एफएसएसएआई लाइसेंस प्राप्त कर किसान अपने उत्पादों को बाजार में मान्यता दिला सकते हैं।

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायक चीनी आयुक्त, अलीगढ़ ने गुड़ उत्पादकों को विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने हेतु जागरूक करते हुए कहा कि आज का प्रशिक्षण न केवल गुड़ के पारंम्परिक उपयोग को सहेजने का माध्यम है बल्कि इसे आधुनिक तकनीक से जोड़कर मूल्यवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक कदम है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रगतिशील गुड़ उत्पादक सुनील कुमार, ग्राम भमौरी, नरेश कुमार, ग्राम कालंद, भूपेन्द्र सिंह, ग्राम इकलड़ी, शैलेष चौधरी, ग्राम जंगेठी, देवेन्द्र प्रधान, ग्राम रंछाड़ द्वारा भी अपने विचार अन्य उत्पादकों से साझा किये गये। उत्पादकों की गुड़ उत्पादन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, विपणन एवं निर्यात से जुड़ी जिज्ञासाओं का समाधान भी विशेषज्ञों एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन गन्ना विकास विभाग के सम्भागीय विख्यापन अधिकारी श्री गौरव कुमार द्वारा किया गया। उन्होने प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए कहा कि गुणवत्तायुक्त गुड़ की ब्रांडिंग और आकर्षक पैकेजिंग से उसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहचान दिलाई जा सकती है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, सहकारी विपणन इकाइयाँ और प्रमाणित वितरण चैनलों के माध्यम से विपणन व्यवस्था को मजबूत बनाया जा सकता है। उत्पादन स्थलों पर स्वच्छता, श्रमिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा और हाइजीनिक प्रोटोकॉल का पालन अत्यंत आवश्यक है। गन्ना भवन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में खांडसारी अधिकारी डॉ. ज्ञानचन्द्र यादव, खांडसारी निरीक्षक अमित कुमार वर्मा, प्रदीप कुमार, अशोक कुमार, संदीप पाठक एवं अन्य विभागीय कार्मिक उपस्थित रहें।

श्री वेंकटेश्वरा संस्थान में सावन के अन्तिम सोमवार से पूर्व विशाल भण्डारा, हवन एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। आज राष्ट्रीय राजमार्ग/बाईपास स्थित वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में पवित्र सावन माह के अन्तिम सोमवार के पुनीत पर्व पर यज्ञ, हवन एवं विशेष पूजा का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने महादेव की महिमा का गुणगान करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए जीवन में उनकी पूजा के महत्व को सबसे ऊपर बताते हुए उनके दिखाये गये ज्ञान, श्रद्धा एवं भक्ति के मार्ग पर चलने की शपथ ली। इसके बाद सांस्कृतिक संध्या के साथ-2 भण्डारे का भी आयोजन किया। जिसमें हजारो श्रद्धालुओ एवं शिव भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया।

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय परिसर के मुख्य द्वार पर आयोजित हवन, पूजा एवं भण्डारे का शुभारम्भ संस्थापक अध्यश श्री सुधीर गिरि, मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक श्री हरि सिंह ढिल्लो, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति डॉ. कृष्ण कान्त दवे, कुलसचिव प्रो0 पीयूष पाण्डेय, आचार्य रामनिवास शास्त्री आदि ने महादेव शिव की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके एवं फीटा काटकर किया। श्रावण मास में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि हरि सिंह ढिल्लो ने कहा कि निसन्देह रूप से महादेव का स्थान सभी देवो में सबसे ऊपर आता है। श्री शिव जी की भक्ति का मतलब यह है कि जो ज्ञान, ध्यान, बल, बुद्धि, शिक्षा, संस्कार एवं पुरूषार्थ में ''श्रेष्ठ'' फलदाता हो।

प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि हमारे जीवन में प्रत्येक व्यक्ति के लिए शिव जी की अराधना सबसे बड़ा महापर्व है। एक शिव ही है जो हमे अज्ञानता के अधंकार, भय, क्रोध, भ्रम/सन्देह, मोह, लोभ के बन्धन से मुक्त कराकर ज्ञान, बल एवं बुद्धि के प्रकाश से आलौकित करते है।

इस अवसर पर युवा मोर्चा अध्यश शुभम चैधरी, डॉ. राजेश सिंह डॉ. ओमप्रकाश गोसाई, डॉ. तेजपाल सिंह, डॉ. योगेश्वर प्रसाद शर्मा, डॉ. अनिल जायसवाल, अरूण गोस्वामी, डॉ. मोहित शर्मा, मारूफ चैधरी, डॉ. अश्विन सक्सेना, लीगल डारेक्टर देवप्रताप, डॉ. सुमन कुमारी, अनुषा कर्णवाल, डॉ. शिल्पा रैना एवं एस0एस0 बघेल, समाजसेवी तेजवीर सिंह अलूना, रीना जोशी, प्रीतपाल, मेरठ परिसर निदेशक डॉ. प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

गन्ना शोध संस्थान में चीनी मिल अधिकारियों का पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम: वी.के. शुक्ल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

शाहजहाँपुर। उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद, शाहजहाँपुर द्वारा एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार एवं नेपाल की 50 से अधिक चीनी मिलों के गन्ना अधिकारी प्रतिभाग करेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम गन्ना उत्पादन की नवीनतम वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी देने एवं उनके क्षेत्रीय क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम का उद्घाटन परिषद के निदेशक श्री वी.के. शुक्ल द्वारा किया जाएगा। उद्घाटन सत्र में निदेशक महोदय प्रतिभागियों को परिषद की अनुसंधान उपलब्धियों एवं गन्ना क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों से अवगत कराएंगे।

निदेशक वी.के. शुक्ल ने बताया कि इस बहुप्रतीक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को गन्ना उत्पादन से जुड़ी नवीनतम वैज्ञानिक तकनीकों पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी, जिनमें

- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार एवं नेपाल के 50 से अधिक चीनी मिलों के गन्ना अधिकारी प्रशिक्षण में करेगें प्रतिभाग

नवीन गन्ना किस्मों की विशेषताएँ एवं उनकी उत्पादकता, गन्ना बुवाई की वैज्ञानिक विधियाँ और उनकी क्षेत्रीय उपयुक्तता, गन्ने में लगने वाले प्रमुख कीटों एवं रोगों का एकीकृत प्रबंधन, टिशू कल्चर एवं सिंगल बड सेट ट्रांसप्लांटेशन तकनीक, पेड़ी फसल प्रबंधन के वैज्ञानिक उपाय, गन्ना उत्पादन में मशीनीकरण की भूमिका एवं उसकी व्यवहारिक जानकारी, ड्रिप इरिगेशन जैसी आधुनिक सिंचाई तकनीकों का उपयोग शामिल है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को विशेष रूप से सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक रूप में तैयार किया गया है ताकि प्रतिभागियों को प्रयोगशाला से लेकर खेत स्तर तक संपूर्ण जानकारी दी जा सके। गन्ना शोध संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगात्मक सत्रों के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न उपकरणों, विधियों और तकनीकों को प्रत्यक्ष रूप से समझाया जाएगा। प्रसार अधिकारी डा. संजीव पाठक ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य गन्ना अधिकारियों को प्रौद्योगिकीय रूप से दक्ष बनाना, जिससे वे अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों को गन्ना उत्पादन की अत्याधुनिक विधियाँ अपनाने के लिए प्रेरित कर सकें और उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि हो सके। यह कार्यक्रम गन्ना किसानों की आय बढ़ाने तथा प्रदेश की गन्ना आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

अब लाइनमैन की नहीं जाएगी जान, मिली सुरक्षा टूल किट

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। उच्च क्षमता की विद्युत लाइनों पर कार्य करने वाले बिजली विभाग के कर्मियों की सुरक्षा अब बेहतर होगी। शुक्रवार को टाउन बिजलीघर परिसर में लाइनमैनों को सुरक्षा टूल किट वितरित की गई। इससे बिजली कर्मियों ने राहत की सांस ली और विभाग का आभार जताया।

गौरतलब है कि लाइनमैन अकसर बिना किसी सुरक्षा उपकरण के खंभों पर चढ़कर मरम्मत कार्य करते हैं, जिससे उन्हें जान का खतरा बना रहता है। बीते वर्षों में सुरक्षा उपकरणों की कमी के चलते कई लाइनमैनों को अपनी जान तक गंवानी पड़ी है। इस समस्या को देखते हुए विभाग ने अब एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विभागीय अवर अभियंता (जेई) राजीव कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि टूल किट में टॉर्च, सेंसरयुक्त हेलमेट, हार्नेस, फ्लैश जैकेट, एफआरपी लैडर, अर्थिंग चेन, सेंसर टेस्टर आदि उपकरण शामिल हैं। ये उपकरण करंट की स्थिति में पहले ही अलर्ट साउंड के जरिए चेतावनी देंगे, जिससे समय रहते खतरे से बचा जा सकेगा। लाइनमैनों ने कहा कि यह टूल किट उनके लिए जीवनरक्षक साबित होगी। उपकरण मिलने से अब वे सुरक्षित तरीके से अपने कार्य कर सकेंगे।

वेंकटेश्वरा में भारत सरकार की सबसे रोजगारोन्मुखी महत्वाकांक्षी योजना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में भारत सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी एवं युवाओ को सीधे रोजगार से जोडने वाली योजना ''प्रधानमंत्री विकसित भारत योजना'' के बारे में कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओ को जागरूक करने के उद्देश्य से ''भविष्य निधि आपके द्वार'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें सरकार के दो पी0एफ0 कमिश्नर समेत आधा दर्जन वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभाग करते हुए एक अगस्त 2025 से लागू होने वाली इस शानदार रोजगारोन्मुखी योजना के बारे में विस्तार से समझाया।

इसके साथ ही यूनिवर्सल एकाउन्ट नम्बर, पेन्शन, ई-रजिस्ट्रेशन, आधार प्रमाणीकरण मोबाईल अपडेट, क्लेम ट्रैकिंग सहित कई डिजीटल सेवाओ के बारे में आन-स्पॉट जानकारी प्रदान कर रिटायरमेंट के बाद भविष्य निधि के फायदो के बारे में जानकारी साझा की। संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि ने आये हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, एवं कुलपति के साथ मिलकर शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेट कर उनको सम्मनित किया। श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के डॉ. सी0वी0 रमन सभागार में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत ''भविष्य निधि आपके द्वार'' विषय पर आयोजित संगोष्ठी का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, पी0एफ0 कमिश्नर श्री अनिल कुमार, क्षेत्रीय पी0एफ0 कमिश्नर श्री मनोज कुमार गुप्ता, कुलपति प्रो0 कृष्णकान्त दवे, क्षेत्रीय प्रवर्तन अधिकारी प्रशान्त कुमारर, एच0आर0 हेड कुलदीप सिंह आदि ने सरस्वती माँ के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो0 पीयूष पाण्डेय, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. नीतू पंवार, डॉ. एस0एन0 साहू, डॉ. सुमन कुमारी, डॉ. योगेश्वर शर्मा, डॉ. राजवर्द्धन सिंह, डॉ. अश्विन सक्सेना, डॉ. ओमप्रकाश गोसाई, डॉ. अनिल जायसवाल, डॉ. ऐना ऐरिक ब्राउन, डॉ. एस0के0 श्रीवास्तव, एच0आर0 मैनेजर प्रशान्त कुमार, मेरठ परिसर से निदेशक डॉ. प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारीज ने बांधी सांसद, राज्य मंत्रियों व संस्कृत शिक्षा निदेशक को राखी!

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

रुड़की। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के रुड़की सेवा केंद्र द्वारा राजयोगिनी बीके गीता दीदी के निर्देशन में रक्षाबंधन के उपलक्ष के तहत ब्रह्माकुमारीज के माध्यम से राजनेताओं व अधिकारियों को राखियां बांधी गई।बीके दीपिका व बीके पारुल बहन ने आज राज्यसभा सांसद डॉ कल्पना सैनी,विधायक प्रदीप बत्रा,संस्कृत शिक्षा निदेशक डॉ आनन्द भारद्वाज, राज्य स्तरीय गन्ना सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष राज्य मंत्री स्तर श्यामवीर सैनी व उत्तराखंड माटी कला बोर्ड के उपाध्यक्ष राज्य मंत्री स्तर शोभाराम प्रजापति व रेलवे

स्टेशन रुड़की के अधीक्षक अरुण कुमार को तिलक लगाकर व राखी बांधकर ईश्वरीय सौगात दी।इस अवसर पर सभी ने सद संकल्प करते हुए अपने अंदर की किसी एक कमी को छोड़ने का निर्णय लिया। संस्था से जुड़े श्रीगोपाल नारसन ने इस अवसर पर उन्हें ब्रह्माकुमारीज की 10 से 12 अक्टूबर तक आयोजित हो रही ग्लोबल समिट में प्रतिभाग करने का निमंत्रण दिया।राज्य सभा सांसद डॉ कल्पना सैनी ने कहा कि 'मैं बहनों से राखी बंधवाकर अपने आप को अभिभूत अनुभव करती हूं।इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय की एकता, प्रेम, और सेवा भाव से मैं बहुत-बहुत प्रभावित हूं। विधायक प्रदीप बत्रा ने ब्रह्माकुमारीज को चरित्र निर्माण की अंतरराष्ट्रीय संस्था बताया व उनके रक्षा बंधन अभियान की सराहना की।

संस्कृत शिक्षा निदेशक डॉ आनन्द भारद्वाज ने ब्रह्माकुमारीज को दिव्यता, एकता और ईश्वरीय प्रेम का अनूठा संगम बताया। वही राज्य मंत्री स्तर श्यामवीर सैनी ने जहां ब्रह्माकुमारीज के रूहानी वातावरण को पवित्रता की देन बताया जबकि राज्य मंत्री स्तर शोभाराम प्रजापति ने कहा कि उन्हें ब्रह्माकुमारीज केंद्र जाकर एक असीम सुख की अनुभूति होती है रेलवे अधीक्षक अरुण कुमार ने रक्षा बंधन को पवित्रता का त्यौहार बताया।

जवाहर नवोदय विद्यालय में अब 13 अगस्त तक बढ़ी आवेदन की अंतिम तिथि

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। जनपद के होनहार और मेधावी बच्चों के लिए अच्छी खबर। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय शरफाबाद में शैक्षिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा के आवेदन के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पूर्व में इसके लिए अंतिम तिथि 29 जुलाई निर्धारित थी लेकिन अब अंतिम तिथि को 13 अगस्त तक बढ़ाया गया है। इस वर्ष कक्षा 6 में प्रवेश हेतु जनपद बागपत से 80 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा।

प्राचार्य दुष्यंत कुमार सिंह ने बताया कि इस बार आवेदन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन है एवं अभिभावकों की सुविधा के लिए अंतिम तिथि 13 अगस्त तक बढ़ाई गई है। इच्छुक विद्यार्थी नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट https://cbseitms.rcil.gov.in/nvs पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की सुविधा के लिए परीक्षा केंद्र ब्लॉक स्तर पर बनाए जाएंगे, जिससे दूरदराज के गांवों के बच्चों को भी परीक्षा देने में परेशानी न हो। यह परीक्षा 13 दिसंबर 2025 (शनिवार) को होगी।

सेहत/स्वास्थ्य

डेंगू से रहें सावधान! मानसून में जानलेवा हो सकता है यह बुखार, ऐसे करें खुद का बचाव

डेंगू बुखार एक मच्छर जनित वायरल संक्रमण है जो दुनिया भर के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में आम है। यह डेंगू वायरस के कारण होता है, जो संक्रमित एडीज मच्छरों, मुख्यतः एडीज एजिप्टी, के काटने से मनुष्यों में फैलता है। डेंगू का प्रभावी ढंग से प्रबंधन और डेंगू रक्तस्रावी बुखार या डेंगू शॉक सिंड्रोम जैसी गंभीर जटिलताओं को रोकने के लिए शीघ्र निदान और सहायक देखभाल अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डेंगू बुखार आमतौर पर अचानक तेज बुखार के साथ शुरू होता है। इसके बाद तेज सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, चकत्ते और कभी-कभी हल्का रक्तस्राव होता है। ये लक्षण असहज और काफी दर्दनाक हो सकते हैं। हालाँकि, असली खतरा गंभीर डेंगू से होता है, जिसे डेंगू रक्तस्रावी बुखार या डेंगू शॉक सिंड्रोम भी कहा जाता है। गंभीर डेंगू गंभीर जटिलताएँ पैदा कर सकता है और जानलेवा भी हो सकता है। सात प्रमुख चेतावनी संकेतों पर चर्चा करेंगे जो संकेत दे सकते हैं कि बीमारी गंभीर डेंगू में बदल रही है। इन चेतावनी संकेतों में पेट में तेज दर्द, लगातार उल्टी, तेज साँसें, मसूड़ों से खून आना, थकान, बेचैनी और उल्टी में खून आना शामिल हैं। सही इलाज पाने के लिए इन संकेतों को जल्दी पहचानना जरूरी है।

डेंगू बुखार के 7 प्रमुख चेतावनी संकेत

चेतावनी के संकेतों को जल्दी पहचानने से आपको सही इलाज मिल सकता है और गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है। डेंगू बुखार के सात प्रमुख चेतावनी संकेत इस प्रकार हैं:

- तेज बुखार
- तेज सिरदर्द
- जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द
- मतली और उल्टी
- त्वचा पर चकत्ते
- थकान और कमजोरी
- हल्का रक्तस्राव

डेंगू बुखार के लक्षण

तेज बुखार (104त्रह्र या उससे अधिक) इसका पहला और सबसे आम लक्षण अचानक, तेज बुखार है जो कई दिनों तक रह सकता है, अक्सर ठंड लगने और बेचैनी के साथ।

आँखों के पीछे तेज सिरदर्द और दर्द

आँखों के पीछे एक विशिष्ट दर्द, जो हिलने-डुलने से बढ़ जाता है, डेंगू के सबसे पहचानने योग्य लक्षणों में से एक है। यह तेज सिरदर्द अक्सर प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता, बुखार और मांसपेशियों में दर्द के साथ होता है, जिससे मरीजों के लिए दैनिक गतिविधियाँ करना मुश्किल हो जाता है।

मांसपेशियों और जोड़ों का दर्द (हड्डी तोड़ बुखार)

मांसपेशियों और जोड़ों का तेज दर्द अक्सर हिलने-डुलने या नियमित कार्य करने में कठिनाई पैदा करता है, यही कारण है कि डेंगू को ₹हड्डी तोड़ बुखार₹ कहा जाता है।

रक्तस्राव के लक्षण

मसूड़ों से खून आना, नाक से खून आना, उल्टी या मल में खून आना, या आसानी से चोट लगना, प्लेटलेट काउंट में खतरनाक गिरावट के चेतावनी संकेत हैं।

पेट में गंभीर दर्द और द्रव प्रतिधारण

पसलियों के नीचे सूजन,सूजन या बेचैनी, आंतरिक द्रव रिसाव और यकृत की समस्या का संकेत हो सकता है, जो गंभीर डेंगू में आम है। थकान, उनींदापन और बेचैनी अत्यधिक थकान या असामान्य चिड़चिड़ापन संक्रमण के बिगड़ने और संभावित अंग तनाव का संकेत देता है।

डेंगू बुखार से बचाव के सुझाव

डेंगू बुखार से बचाव में मच्छरों के संपर्क और प्रजनन को कम करना शामिल है:

मच्छरों के प्रजनन स्थलों को हटाएँ: बाल्टी, गमले और पक्षियों के स्नान के लिए इस्तेमाल होने वाले पानी के बर्तनों को नियमित रूप से खाली और साफ करें।

मच्छर भगाने वाली दवाओं का प्रयोग करें: खुली त्वचा पर डीईईटी, पिकारिडिन या लेमन यूकेलिप्टस के तेल युक्त मच्छर भगाने वाली दवाओं का प्रयोग करें।

सुरक्षात्मक कपड़े पहनें: लंबी आस्तीन और पैंट मच्छरों के काटने को कम करने में मदद कर सकते हैं, खासकर मच्छरों की सक्रियता के चरम समय (सुबह और शाम) के दौरान।

स्क्रीन लगाएँ: मच्छरों को अपने घर से दूर रखने के लिए खिड़की और दरवाजे पर स्क्रीन लगाएँ।

मच्छरदानी का प्रयोग करें: मच्छरदानी के नीचे सोने से अतिरिक्त सुरक्षा मिल सकती है, खासकर उन जगहों पर जहाँ मच्छरों की सक्रियता ज्यादा होती है।

निष्कर्ष

डेंगू बुखार दुनिया के कई हिस्सों में एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जिसके लक्षण हल्के से लेकर गंभीर तक हो सकते हैं।

चेतावनी के संकेतों और लक्षणों की जल्द पहचान, तुरंत चिकित्सा सहायता लेना और निवारक उपाय करना डेंगू बुखार के प्रबंधन और इसके प्रभाव को कम करने के लिए महत्वपूर्ण कदम हैं।

पर्यटन

दुनिया के इन जादुई झरनों को देखकर बन जाएगा आपका दिन, छूमंतर होगा सारा स्ट्रेस

> पहाड़ों, गहरी घाटियों और हरियाली बीच बहते हुए यह झरने प्राकृतिक कला का अनूठा और अद्वितीय उदाहरण है। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी है और घूमने के भी शौकीन हैं, तो आपको दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार करना चाहिए।

दुनिया भर में प्राकृतिक सुंदरता का एक अनोखा अनुभव झरनों में देखने को मिलता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा काफी मनमोहक होता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा देखना लोगों के मन को सुकून पहुंचाने के साथ रोमांच का अनुभव कराता है। बता दें कि दुनिया में कई ऐसे झरने हैं, जिनकी ऊंचाई और सुंदरता उनको खास बनाती है। इन झरनों की ऊंचाई सुनकर कोई भी चौंक जाएगा, वहीं इनकी सुंदरता भी उतनी ही सुकूनदायक है। पहाड़ों, गहरी घाटियों और हरियाली बीच बहते हुए यह झरने प्राकृतिक कला का अनूठा और अद्वितीय उदाहरण है। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी है और घूमने के भी शौकीन हैं, तो आपको दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

एंजेल फॉल्स , वेनेजुएला

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप पर एक देश है। जहां पर एंजेल फॉल्स बहता है। वेनेजुएला का यह एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। जोकि वेनेजुएला के केनैमा नेशनल पार्क में स्थित है। इस झरने की धारा इतनी ऊंचाई से गिरती है कि पानी नीचे तक पहुंचते-पहुंचते बारीक-बारीक बूंदों में बदल जाता है।

टुगेला फॉल्स, दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका में मौजूद टुगेला फॉल्स की ऊंचाई 3,110 फीट है। बारिश के मौसम में यहां का नजारा देखने लायक है। यह रॉयल नेटल नेशनल पार्क के ड्रेकेन्सबर्ग माउंटेन्स पर स्थित है।

थ्री सिस्टर्स फॉल्स, पेरू

पेरू एक बेहद खूबसूरत जगह है, जहां पर आपको थ्री सिस्टर्स फॉल्स नाम का शानदार जलप्रपात देखने को मिलेगा। यह अमेजन जंगल के बीच स्थित है और तीन स्तरों में बहता है। इसी वजह से इसका नाम 'थ्री सिस्टर्स' पड़ा। ट्रैकिंग और रोमांच पसंद करने वालों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है।

ओलूपेना फॉल्स, हवाई

संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई में करीब 900 मीटर की ऊंचाई पर ओलूपेना फॉल्स है। ओलूपेना फॉल्स सीधे समंदर से लगती चट्टानों से गिरता है और सिर्फ बोट या हेलिकॉप्टर से ही देखा जा सकता है।

युंबिला फॉल्स, पेरू

बता दें कि युबिला फॉल्स सबसे ऊंचे झरनों में शामिल है, यह पेरू में है। हाल ही में खोज में यह झरना पाया गया है। जोकि पेरू के घने जंगलों में छिपा है और अब धीरे-धीरे फेमस हो रहा है। यहां पर आपको चारों ओर मनमोहक नजारा देखने को मिलेगा।

ब्यूटी / फैशन

हर आउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं ये हैंडबैग, मिलेगा क्लासी लुक

अक्सर हम सभी अपने आउटफिट के साथ अलग-अलग डिजाइन वाले हैंडबैग कैरी करते हैं। इन हैंडबैग में फोन या अन्य जरूरी सामान लेकर जाते हैं। लेकिन आउटफिट के साथ हर हैंडबैग अच्छा नहीं लगता है। ऐसे में हम हैंडबैग को चेंज करने के बारे में सोचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैंडबैग के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप बताए गए डिजाइन के हिसाब से चूज कर सकते हैं। इससे आपको आउटफिट के साथ हैंडबैग को कैरी करने में दिक्कत भी नहीं होगी।

> *आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैंडबैग के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप बताए गए डिजाइन के हिसाब से चूज कर सकते हैं। इससे आपको आउटफिट के साथ हैंडबैग को कैरी करने में दिक्कत भी नहीं होगी।*

हैंडबैग को आउटफिट के साथ ऐसे करें मैच

अगर आप भी अपने हैंडबैग को आउटफिटके साथ मैच करना चाहती हैं। तो इसके लिए आपको हैंडबैग के डिजाइन का खास ध्यान रखना होगा। हालांकि इसके पैटर्न को अपने सामान के हिसाब से चूज करना होगा। इससे आपको इसे कैरी करने में किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी।

ब्लैक ऐंड ब्राउन शेड वाला हैंडबैग

अगर आप ऐसा हैंडबैग चाहती हैं, तो हर आउटफिट के साथ मैच करे, तो आपको ब्लैक ऐंड ब्राउन शेड वाला हैंडबैग चूज कर सकती हैं। इस तरह के कलर कॉन्ट्रास्ट वाले बैग काफी अच्छे लगते हैं। आप इस तरह के हैंडबैग को किसी भी कलर के आउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं। इसमें आपको प्रिंटेड से लेकर प्लेन तक हर तरह के हैंडबैग का ऑप्शन मिल जाता है। जोकि कैरी करने में अच्छा लगता है।

चेक डिजाइन वाले हैंडबैग

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनको ज्योमैट्रिकल पैटर्न वाली चीजें ज्यादा पसंद है। तो आप चेक डिजाइन वाले हैंडबैग कैरी कर सकती हैं। इस तरह के हैंडबैग भी कैरी करने के बाद काफी अच्छे दिखते हैं। इस तरह के हैंडबैग में आपको डबल शेड कलर मिलता है और साथ में लगने वाली गोल्डन चेन भी मिलती है। इस बैग को कैरी करने के बाद लुक क्लासी लगता है। इस तरह के बैग आपको मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे।

टेस्ल डिटेल वाला हैंडबैग

कई लोगों को लैदर या फिर कपड़े से बना बैग पसंद नहीं आता है। ऐसे में आप टेस्ल डिटेल वाला हैंडबैग कैरी कर सकती हैं।

इस तरह के बैग में टेल्स से डिटेलिंग में काम किया गया है। इसलिए यह हैंडबैग कैरी करने में अच्छा लगता है। आप इस तरह के हैंडबैग को किसी भी आउटफिट के साथ आसानी से कैरी कर सकती हैं।

वहीं रोजाना ऑफिस, इवेंट या फिर कॉलेज ले जाने के लिए भी यह हैंडबैग बिलकुल परफेक्ट है।

घरेलू नुस्खे

> *जब आप ग्लूटन फ्री रोटी बना रही हैं तो सही आटे का चयन करना बेहद जरूरी है। दरअसल, हर हर तरह के ग्लूटन-फ्री आटे का टेक्सचर अलग होता है। जहां बाजरे का आटा ठंड के लिए बेस्ट माना जाता है, वहीं गर्मियों के लिए ज्वार का आटा चुनें।*

ग्लूटन फ्री रोटी बनाना हो जाएगा आसान, बस इन टिप्स को करें फॉलो

आज के समय में लोग हेल्थ कॉन्शियस होते जा रहे हैं। अधिकतर लोग अपने हेल्थ गोल्स को पूरा करने के लिए अपनी डाइट को ग्लूटन फ्री बना लेते हैं। इस तरह की डाइट में ग्लूटन फ्री रोटी बनाना काफी मुश्किल लगता है, क्योंकि इसमें गेहूं जैसे लचीलापन नहीं होता। जिसकी वजह से कभी रोटी बेलते वक्त फट जाती है, तो कभी हाथ में चिपकती है या फिर तवे पर जाते ही टूटने लगती है। इसे देखकर यकीनन काफी इरिटेशन होती है।

हो सकता है कि आपने भी ग्लूटन फ्री डाइट में रोटी बनाने की कोशिश की हो, लेकिन आप बाद में हार गई हों। तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। बस थोड़ा धैर्य, थोड़ी सही तकनीक और कुछ देसी टिप्स के साथ आप भी ग्लूटन फ्री रोटी बेहद आसानी से बना सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपके साथ कुछ ऐसे ही आसान टिप्स शेयर कर रहे हैं, जो ग्लूटन फ्री रोटी बनाने में आपकी मदद करेंगे-

चुनें सही आटा

जब आप ग्लूटन फ्री रोटी बना रही हैं तो सही आटे का चयन करना बेहद जरूरी है। दरअसल, हर हर तरह के ग्लूटन-फ्री आटे का टेक्सचर अलग होता है। जहां बाजरे का आटा ठंड के लिए बेस्ट माना जाता है, वहीं गर्मियों के लिए ज्वार का आटा चुनें। इसी तरह, रागी का आटा कैल्शियम से भरपूर, लेकिन थोड़ा चिपचिपा होता है। वैसे मार्केट में ग्लूटन-फ्री मिक्स आटा भी मिलता है, इसमें बाइंडिंग के लिए इसबगोल या जैंथन गम पहले से मिला होता है। अगर आप भी रोटी को आसानी से व नरम बनाना चाहती हैं तो ऐस में दो-तीन आटे मिलाकर इस्तेमाल करो। आप एक कप ज्वार में एक चौथाई कप चावल का आटा और 1 चम्मच इसबगोल मिक्स कर सकते हैं।

गरम पानी का करें इस्तेमाल

अगर आप ग्लूटन फ्री रोटी बनाना चाहती हैं तो आटा गूंथते समय गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। ठंडा पानी ग्लूटन-फ्री आटे में अच्छे से मिक्स नहीं होता। जिससे आटा सूखा रह जाता है और टूटता है। ध्यान रखें कि आटा ना ज्यादा सख्त हो और ना ही ज्यादा चिपचिपा।

आटे को थोड़ा रेस्ट करने दो

जब आप ग्लूटन फ्री आटा गूंथते हैं तो उसके बाद आपको इसे 10-15 मिनट तक ढककर रखना चाहिए। इससे आटे की बांधने की ताकत बढ़ती है।

सम्भव अभियान के अंतर्गत मंत्री बेबी रानी मौर्य ने किया जनपद का भ्रमण

भोजन में पोषक तत्वों को अनिवार्य रूप से लेना चाहिए: बेबी रानी मौर्य

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश शासन के महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की मंत्री बेबी रानी मौर्य सम्भव अभियान के अंतर्गत गाजियाबाद जनपद का भ्रमण किया। इस दौरान मंत्री विभागीय योजनाओं की प्रगति, संचालन की जमीनी स्थिति एवं महिला तथा बाल कल्याण संबंधी कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी, साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। मंत्री का यह भ्रमण महिला सशक्तिकरण, बाल कल्याण एवं पोषण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी एवं जनपद स्तर पर समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से किया जा रहा है। मंत्री ब्लॉक संसाधन केंद्र बीआरसी मोदीनगर (गाजियाबाद) पहुंची व दीप प्रज्वलित करते हुए 'सम्भव अभियान' कार्यक्रम शुभारम्भ किया। तत्पश्चात सामुदायिक गतिविधियों के अंतर्गत 05 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई तथा 05 बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया तथा पोषण पोटली प्रदान की गयी। पिछले वर्ष संभव अभियान के माध्यम से कुपोषित श्रेणी से सामान्य श्रेणी में आए बच्चों, अभिभावकों तथा आंगनबाड़ी कार्यकताओं को सराहना की गयी। महिला कल्याण विभाग के अंतर्गत केक काट कर कन्या जन्मोत्सव मनाया गया। मंत्री द्वारा सभा को सभा को संबोधित करते हुए संभव अभियान की जानकारी दी गई। उन्होने कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिलाओं को अपने खाने का ध्यान रखना आवश्यक है उनको अपने खाने में पोषक तत्वों को लिया जाना आवश्यक हैं। जिससे की स्वस्थ बालक या बालिका का जन्म हो।

उन्होने कहा कि 01 अगस्त से 07 अगस्त तक स्तनपान सप्ताह के रूप मे मनाया जा रहा हैं। मंत्री द्वारा संभव अभियान की रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया।

कार्यक्रम में विधायक मोदी नगर डॉक्टर मंजू शिवाच, ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह, चैनपाल सिंह जिला अध्यक्ष भाजपा के साथ जनपद के प्रतिनिधि तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी शशि वार्ष्णेय, जिला प्रोबेशन अधिकारी पुष्कर, बाल विकास परियोजना अधिकारी स्वाति केसरवानी एवं आँगनबाड़ी कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या क्षेत्र के लोग एवं बच्चे उपस्थित रहे।

डॉ. के.एन. मोदी ग्लोबल की शाखा प्रीटी पेंग्विंस में टी टॉक कार्यक्रम का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉ. के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल की शाखा प्रीटी पेंग्विंस स्कूल में छात्रों के समग्र विकास के लिए माता-पिता और स्कूल के बीच मजबूत साझेदारी में विश्वास रखते हुए टी टॉक कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य माता-पिता और स्कूल प्रबंधन के बीच एक खुला और रचनात्मक संवाद स्थापित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ के.एन. मोदी फाउंडेशन के प्रबंधक मेघराज, चीफ एक्सिक्यूटिव दीपांकर , स्कूल उपप्रधानाचार्या पूजा शर्मा, स्कूल हेड मिस्ट्रेस श्रीमती प्रेरणा वर्मा, आदि के द्वारा द्वीप प्रज्वलित करके की गई। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पी.पी. टी. के माध्यम से स्कूल मे पूरे वर्ष हुई गतिविधियों व उनके उद्देश्य और स्कूल के विजन को अभिभावकों से साझा किया। जिसमे अपने बच्चों को गतिविधि करते देख अभिभावकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 225 से भी अधिक अभिभावकों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक वर्कशॉप भी आयोजित की गई जिसमें बच्चों को मोबाइल से दूर कैसे रखा जाए इस बात पर चर्चा की गई जो आजकल अभिभावकों के लिए सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। चीफ एक्सिक्यूटिव दीपांकर व उपप्रधानाचार्या पूजा शर्मा ने स्कूल मे आए सभी अभिभावकों का धन्यवाद किया तथा बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

टी टॉक कार्यक्रम मे स्कूल परिसर के अंतर्गत बच्चों द्वारा बनाए गए क्राफ्ट की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अभिभावकों को जूनियर शेफ और पुस्तकालय का भ्रमण भी कराया गया। जिसे देखकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस मौके पर स्कूल हेडमिस्ट्रेस प्रेरणा वर्मा ने कहा कि स्कूल बच्चों के लिए शिक्षा के मंदिर के साथ-साथ उनके अंदर अन्य चीजों के विकास करने का भी केंद्र होता है बच्चों को स्कूल में जितनी चीज सीखने को मिलती हैं उतनी कहीं और नहीं मिल पाती।यह उनके शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास की भी केंद्र होता है इसको ध्यान में रखकर समय-समय पर स्कूल में इस तरह की गतिविधियां कराई जाती है। कार्यक्रम के अंत मे स्कूल हेडमिस्ट्रेस प्रेरणा वर्मा ने अध्यापिकाओं के कार्य की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

ड्रोन व चोरी की घटनाओं से दहशत, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुरादनगर। भारतीय किसान यूनियन किसान सभा अ के तत्वावधान में क्षेत्र के करीब एक दर्जन गांवों के लोगों ने गांवों में बढ़ती चोरी व रात्रि में दिखाई देने वाले संदिग्ध ड्रोन को लेकर नाराजगी जताई।

ग्रामीणों ने निवाड़ी थाना अध्यक्ष के माध्यम से डीसीपी ग्रामीण को ज्ञापन सौंपते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। सभा के राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी ने बताया कि ग्राम रेवड़ी रेवड़ा, नगला अक्खू, सुहाना, मोहम्मदपुर, कुम्हैड़ा, सारा आदि में बीते कुछ दिनों से रात के समय ड्रोन मंडराते दिखाई दे रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल है। लोग रातभर जागकर पहरा देने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आमजन परेशान है। गांव निवाड़ी, पतला, सारा, सिखेड़ा, पूठरी, बंदीपुर, झलावा, पैंगा और सौंदा के ग्रामीण बड़ी संख्या में एकत्र होकर निवाड़ी थाना पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो डीसीपी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में रोहित चौधरी, अमरीश त्यागी, हरिओम त्यागी, राजकुमार वर्मा, अनिल त्यागी, नरेंद्र त्यागी, संदीप जिंदवाल, देवांश, शैंकी, ताहिर खान, राजन त्यागी, जगदीश कुमार, मंगेश्वर, मदनलाल, सुबोध कुमार सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

अक्षयपात्र की केन्द्रीयकृत रसोईघर का गहनता से स्थलीय निरीक्षण किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद अभिनव गोपाल द्वारा जनपद गाजियाबाद के परिषदीय, सअक्षयपात्र की केन्द्रीयकृत रसोईघर का गहनता से स्थलीय निरीक्षण किया गयाहायता प्राप्त, माध्यमिक, समाज कल्याण द्वारा संचालित एवं राजकीय विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन वितरण हेतु सारा रोड गोविन्दपुरी मोदीनगर में निमार्णाधीन स्वयं सेवी संस्था अक्षयपात्र की केन्द्रीयकृत रसोईघर का गहनता से स्थलीय निरीक्षण किया गया। उक्त किचिन निर्माण प्रभारी द्वारा अवगत कराया गया कि माह अप्रेल 2026 से कक्षा 1 से कक्षा-8 तक जनपद में अध्ययनरत लगभग एक लाख बच्चों को भोजन का वितरण आरम्भ कर दिया जायेगा, तथा किचिन निर्माण में लगभग 50 करोड़ की धनराशि का खर्च आयेगा। जिसमें बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा 15 करोड़ एवं अन्य धनराशि स्वयं सेवी संस्था द्वारा स्वंय वहन किये जायेगें। तत्पश्चात मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ०पी० यादव द्वारा ग्राम तालहटा में निमार्णाधीन मुख्यमन्त्री मॉडल विद्यालय का निरीक्षण किया गया। जिसका निर्माण जल निगम द्वारा किया जा रहा है। मुख्यमन्त्री मॉडल विद्यालय का निर्माण कार्य दिसम्बर 2026 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। उक्त विद्यालय में कक्षा नर्सरी से कक्षा 12 तक की बालक-बालिका सह शिक्षा प्रदान की जायेगी। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को दूर-दराज पढने के लिए नहीं जाना पडेगा।

बच्चों को उच्च गुणवत्ता की पढाई प्रदान की जायेगी। निमार्णाधीन विद्यालय निरीक्षण समय ही विधायक मोदीनगर डॉ० मंजू शिवाच एवं प्रमुख भोजपुर सुचिता सिंह भी मौके पर पहुंची तथा निर्माण के सम्बन्ध में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ०पी०यादव व अन्य अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दिया। इसके पश्चात मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ग्राम मुकीमपुर में संचालित कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया गया। विद्यालय भवन में शोचालय, कक्षा-कक्ष, हॉस्टल, गार्ड कक्ष आदि का निरीक्षण कर वार्डन को साफ-सफाई, गुणवत्ता युक्त मैन्यू अनुसार भोजन, कम्प्यूटर शिक्षा, आदि बालिकाओं को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण में मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद के साथ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गाजियाबाद ओ०पी०यादव, खण्ड विकास अधिकारी,भोजपुर पीयूष राय, जिला समन्वयव मध्यान्ह भोजन टिंकु कंसल, पवन कुमार तिवारी आदि उपस्थित थे।

दयावती स्कूल में अंतर सदनीय नृत्य प्रतियोगिता आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। दयावती मोदी पब्लिक स्कूल में बुधवार आज दिन बुद्धवार को अंतर सदनीय नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय द्वारा छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से किया जाता है। गतिविधियों नृत्य एक कला है। जो, शारीरिक गहिरि के से भावनाओं एवं विचारी अभिव्यक्त करता है। नृत्य की कई विशेषता शारीरिक शामिल होती हैं, जिनमें लयू, तालु, भाव-भागमा शामिल है। जिनके आधार पर निर्णायक मण्डल को निर्णय लेना होता है।

इस प्रतियोगिता का संचालन भामा सदन किया गया। चारों सदनों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत विषयों का चयन किया गया। तत्पश्चात अर्जुन सदन कार्यक्रम का प्रारंभ भामा सदन द्वारा ओलंपिक एवं एशियाई खेलों की गाथा से किया द्वारा जय जवान, किसान, जय विज्ञान सेहरू सदन द्वारा ऑपरेशन सिंदूर तथा अंत में चा द्वारा झाँसी की बीरागंना महारानी लक्ष्मीबाई गाया से की गई। समस्त सुर की प्रस्तुति ने सारे सभागार को तालियों से गुंजा दिया। सभी सदनों की प्रस्तुति प्रशंसनीय थी।

इस प्रतियोगिता में चाणक्य सदन प्रथम नेहरू सदन द्वितीय अर्जुन सदन तृतीय एवं भाभा सदन नैचतुर्य स्थान प्राप्त किया। सभी छात्रों को प्रमाणपत्र एवं पदको द्वारा सम्मानित किया गया सभी सदनों ने अपने नृत्यू को विद्यालय की वेशभूषा के साथ-साथ नृत्य से संबंधित नवोन्मेषि सहायक साम्राग्रियों द्वारा आकर्षक एवं मनमोहक बना दिया।

जिसे देखकर सभागार में उपस्थित सभी दर्शक स्तब्ध रह गए। नृत्यों में चयनित देश भक्ति के गीतों की स्वरलहरी ने सभी को रोमांचित एवं मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में मंच का संचालन श्रीमती अंशु द्वारा बड़ी ही कुशलता के साथ किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य वी. के. राणा जी एवं उपप्रधानाचार्या डॉ. गुरमीत गुप्ता के संरक्षण में सफलता - पूर्वक संपन्न हुआ।

डॉ केएन मोदी कॉलेज में भारत स्काउट एंड गाइड का तृतीय सोपान का प्रशिक्षण शिविर आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉक्टर केएन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद में उत्तर प्रदेश भारत स्काउट एंड गाइड जनपद संस्था गाजियाबाद के बैनर तले तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर का तीन दिवसीय आयोजन 31 जुलाई से 2 अगस्त तक किया गया।

जिसका आज समापन विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं जिला संस्था के सचिव डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में किया गया इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में स्काउट एंड गाइड जनपद तहसील और मुरादनगर के विभिन्न विद्यालयों की लगभग 400 स्काउट गाइड ने प्रतिभाग किया जिसमें उन्हें स्काउट गाइड की प्रतिज्ञा, स्काउट गाइड के नियम,प्रार्थना, विभिन्न प्रकार की गांठे बांधना टैंट निर्माण मीनार बनाना प्राथमिक चिकित्सा स्वागत ताल , बिना आग के भोजन बनाना और अन्य विभिन्न प्रकार के विभिन्न गतिविधियां महेश नेहरा और उमा बिश्नोई जिला संस्था गाजियाबाद के जिला संगठन आयुक्त श्याम सिंह जिला संगठन आयुक्त गाइड रिंकू के द्वारा दिया गया ।

इस समारोह में विशिष्ट अतिथि मेरठ मंडल के सहायक प्रदेशिक संगठन आयुक्त अमित कुमार सैनी रहे उन्होंने अपने संबोधन में स्काउट संबंधी विभिन्न जानकारी देते हुए बताया कि तृतीय सोपान करने वाले स्काउट गाइड को इंटर के बाद प्रवेश में 2 प्रतिशत का लाभ मिलता है और इसके बाद वह राज्यपाल पुरस्कार का आवेदन भी कर सकते हैं जिला संस्था के सचिव डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने सभी स्काउट गाइड गाइड कैप्टन विभिन्न विद्यालय से आए प्रशिक्षको का विशेष आभार व्यक्त किया उन्होंने अपनी लगन और परिश्रम से विद्यालय में स्काउट गाइड की टीम का गठन किया इस अक्षर पर सचिव डॉक्टर एससी अग्रवाल जी ने सभी स्काउट गाइड शिक्षकों को इस वर्ष राष्ट्रपति पुरस्कार आवेदन करने के लिए भी बच्चों को तैयार करने के लिए प्रेरित किया।सभी को बधाई दी शिविर का संचालन श्याम सिंह रिंकू चौधरी ने किया । इसमें डॉक्टर के एन मोदी कॉलेज के स्काउट मास्टर दिनेश कुमार का विशेष सहयोग रहा इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के स्काउट मास्टर और गाइड कैप्टन आदि उपस्थित थे । इस शिविर में डॉकि एन मोदी कॉलेज, रूकमणि मोदी कॉलेज ,आदर्श कन्या इंटर कॉलेज गोविंदपुरी आदर्श इंटर कॉलेज फरीदनगर ,जवाहर कन्या इंटर कॉलेज मुरादनगर ,नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज सुराणा चौधरी चरण सिंह जनता इंटर कॉलेज पतला पी बी ए एस गर्ल्स इंटर कॉलेज मोदीनगर के स्का ।उट गाइड ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर राजकुमार सिंह डॉक्टर अवनीश कुमार जैन ,प्रवीण जैनर संजीव चौधरी राजीव राजीव सिंह राजीव कुमार गौरव त्यागी बाबूराम ,कन्हैयालाल प्रियंका भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।